श्रावण शुक्ल पक्ष -7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 44 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 अगस्त 2026 बुधवार

आज का मौसम
27.1 अधिकतम
23.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

रेयर अर्थ से एआई तक... क्या भारत नई विश्व व्यवस्था का नेतृत्व कर पाएगा?

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

यदि बीसवीं सदी तेल की थी, तो इक्कीसवीं सदी तकनीक, डेटा, रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जल सुरक्षा की होगी। आने वाले दशकों की आर्थिक और सामरिक शक्ति इन्हीं क्षेत्रों से तय होगी। आज वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग 600 अरब डॉलर से अधिक का है और 2030 तक इसके एक ट्रिलियन डॉलर के पार जाने का अनुमान है। दूसरी ओर रेयर अर्थ के उत्पादन और खासकर रिफाइनिंग पर चीन का दबदबा पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करता है। सवाल है–क्या भारत इस बदलती विश्व व्यवस्था का नेतृत्व करने की क्षमता विकसित कर रहा है?

पिछले एक दशक में भारत ने अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं को उल्लेखनीय ढंग से बदला है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अब केवल औद्योगिक नारे नहीं, बल्कि आयात-आधारित अर्थव्यवस्था से तकनीक-आधारित राष्ट्र बनने की दीर्घकालिक रणनीति हैं। सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए 76 हजार करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना, गुजरात में माइक्रोन जैसे वैश्विक निवेश और देश में चिप निर्माण की शुरुआत इसी बदलाव के संकेत हैं।

पहला मोर्चा : आत्मनिर्भर रक्षा– रक्षा क्षेत्र इस परिवर्तन का सबसे सशक्त उदाहरण है। दशकों तक विदेशी हथियारों पर निर्भर रहने वाला भारत अब मिसाइल, रडार, ड्रोन, हेलीकॉप्टर, युद्धपोत और लड़ाकू विमानों के स्वदेशी विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात, तेजस का उत्पादन और बढ़ता रक्षा निर्यात बताते हैं कि भारत केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं रहना चाहता। लक्ष्य अब रक्षा तकनीक का निर्माता और निर्यातक बनना है।

दूसरा मोर्चा : अंतरिक्ष और डिजिटल शक्ति– चंद्रयान-3 और आदित्य-L1 ने भारत की वैज्ञानिक क्षमता को दुनिया के सामने स्थापित किया है। इसरो अब केवल भारतीय उपग्रहों का प्रक्षेपण नहीं कर रहा, बल्कि अनेक देशों के उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर वैश्विक भरोसा भी अर्जित कर चुका है। अंतरिक्ष अब प्रतिष्ठा का विषय भर नहीं; संचार, मौसम, कृषि, नौवहन, रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा की रीढ़ बन चुका है।

तीसरा मोर्चा : एआई और सुपरकंप्यूटिंग– कृत्रिम बुद्धिमत्ता आने वाले समय का सबसे बड़ा शक्ति-गुणक बनने जा रही है। भारत ने इसी को ध्यान में रखते हुए उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग पर निवेश बढ़ाया है। सी-डैक ने देश का पहला स्वदेशी एआई आधारित सुपरकंप्यूटर विकसित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल में इसकी शुरुआत के बाद सी-डैक पुणे और बेंगलुरु को अगस्त तक ऐसे पाँच और सुपरकंप्यूटर तैयार करने का लक्ष्य दिया था। लेकिन टीम ने लक्ष्य से कई गुना आगे बढ़ते हुए अब तक 27 सुपरकंप्यूटर तैयार कर लिए हैं और अगले महीने तक यह संख्या 28 होने की संभावना है। राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के लिए 4,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं भारत को वैश्विक एआई शक्ति बनाने और जीपीयू आधारित अत्याधुनिक कंप्यूटिंग ढांचा तैयार करने के लिए पाँच वर्षों में 10,371.92 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। बजट 2026 में अकेले इसके लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। इसी दौड़ में निजी क्षेत्र भी उतर चुका है। रिलायंस ने अमेरिका के साथ करार के तहत एनवीडिया से ऐसा सुपरकंप्यूटिंग सिस्टम तैयार कराया है, जिसका उपयोग भारी कच्चे तेल से कम लागत पर ईंधन और सह-उत्पाद तैयार करने में किया जा सकेगा। इससे अमेरिका, वेनेजुएला और कनाडा के भारी कच्चे तेल के उपयोग और मध्य-पूर्व के हल्के कच्चे तेल पर निर्भरता के समीकरण भी प्रभावित हो सकते हैं।

चौथा मोर्चा : रेयर अर्थ और सेमीकंडक्टर– रेयर अर्थ अब दुनिया का नया तेल बन रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहन, लड़ाकू विमान, मिसाइल, रोबोटिक्स, मोबाइल फोन, पवन ऊर्जा, अंतरिक्ष तकनीक और एआई, इन सबकी तकनीकी क्षमता में इन खनिजों की महत्वपूर्ण भूमिका है। चीन की मजबूत पकड़ ने दुनिया को आपूर्ति श्रृंखला के जोखिम का एहसास कराया है। भारत अब खोज, रिफाइनिंग और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। इसके लिए सरकार ने 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह आर्थिक ही नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है।

पांचवां मोर्चा : सप्लाई चेन– वैश्विक कंपनियां चीन-केंद्रित सप्लाई चेन में विविधता ला रही हैं और भारत को इसका बड़ा लाभार्थी माना जा रहा है। लगभग 28 ट्रिलियन डॉलर की अमेरिकी और 18 ट्रिलियन डॉलर की चीनी अर्थव्यवस्था के मुकाबले भारत अभी पीछे है। लेकिन विश्व व्यवस्था केवल जीडीपी के आकार से नहीं बदलती। वह बदलती है नवाचार, तकनीकी क्षमता, संसाधनों पर नियंत्रण, कुशल जनशक्ति, राजनीतिक स्थिरता और दूरदर्शी नेतृत्व से। भारत के सामने चुनौती भी उतनी ही बड़ी है। आरएंडडी पर निवेश, विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय, कौशल विकास, रेयर अर्थ रिफाइनिंग, ऊर्जा सुरक्षा और उच्च तकनीकी विनिर्माण में अभी लंबा रास्ता तय करना है। लेकिन पहली बार भारत ने अपनी रणनीतिक दिशा काफी हद तक स्पष्ट कर दी है।

भारत ने शुरू कर दी है यात्रा

बीसवीं सदी में दुनिया की राजनीति तेल के कुओं के इर्द-गिर्द घूमती थी। इक्कीसवीं सदी में शक्ति का केंद्र रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर, एआई, सुपरकंप्यूटिंग और जल सुरक्षा बनने जा रहा है। भारत ने इस दौड़ में देर से शुरुआत जरूर की है, लेकिन उसकी गति तेज है। नई विश्व व्यवस्था किसी सम्मेलन की मेज पर नहीं बनती। वह प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों, कारखानों, सैन्य अनुसंधान केंद्रों, जलाशयों, अंतरिक्ष अभियानों और नीति-निर्माण की दूरदृष्टि से बनती है। भारत ने यात्रा शुरू कर दी है। अब असली सवाल यह नहीं कि भारत इस दौड़ में है या नहीं, सवाल यह है कि वह दौड़ का सहभागी बनेगा या आने वाली विश्व व्यवस्था का निर्णायक निर्माता।

न्यूज विंडो

उड़ान से पहले विमान से टकराया पक्षी अमृतसर से पुणे की फ्लाइट रद्द

अमृतसर। अमृतसर में स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पुणे जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-1694 को बर्ड हिट की घटना के बाद रद्द कर दिया गया। फ्लाइट को अमृतसर से पुणे के लिए रवाना होना था, लेकिन उड़ान से पहले ही विमान के साथ बर्ड हिट की घटना सामने आ गई।जानकारी के मुताबिक, विमान से पक्षी के टकराने के बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट को ऑपरेट नहीं किया गया। इसके बाद एयरलाइन की ओर से फ्लाइट को रद्द करने का फैसला लिया गया।

इमरान खान से बहन और पत्नी ने अडियाला जेल में मुलाकात की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहन नोरीन नियाजी और पत्नी बुशरा बीबी ने अडियाला जेल में मुलाकात की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह मुलाकात हुई। नोरीन 9 महीने बाद इमरान से मिलीं। करीब 15 मिनट की मुलाकात में परिवार ने इमरान की सेहत के बारे में पूछा। मुलाकात के बाद नोरीन ने इमरान से मिलने की पुष्टि की, लेकिन कोर्ट के निर्देश के मुताबिक मीडिया से बात नहीं की।

9 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या 25 साल का आरोपी हिरासत में

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में 9 साल की बच्ची के साथ रेप के बाद हत्या का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार दोपहर जुन्नर तहसील के पिंपलवाड़ी गांव में हुई। पुलिस ने मामले में 25 साल के आरोपी को हिरासत में लिया है। पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि आरोपी बच्ची को उसके घर से पास के खेत में ले गया था। वहां बच्ची से रेप किया और बाद में उसकी हत्या कर दी।

सूरत में रेस्टोरेंट के खाने से बच्ची की मौत, चार सदस्य बीमार

सूरत। गुजरात के सूरत में रेस्टोरेंट का खाना खाने के बाद 5 साल की बच्ची आर्या की मौत हो गई। परिवार के चार अन्य सदस्यों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें आर्या के पिता अशोकभाई, मां और दो बहनें शामिल हैं। परिवार ने 15 अगस्त की शाम शहर के शीतल रेस्टोरेंट से काजू-पनीर समेत खाना मंगाया था। इसके बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। डॉक्टरों ने परिवार के सदस्यों में फूड पॉइजनिंग की पुष्टि की है।

आज का कार्टून

कसता शिकंजा ... रामपुर-सहारनपुर से दिल्ली तक 10 ठिकानों पर एक साथ तलाशी

चलती कक्षाओं के बीच आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर ED की छापेमारी

लखनऊ/रामपुर, एजेंसी

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनकी महत्वाकांक्षी परियोजना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों का शिकंजा एक बार फिर कस गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने आज सुबह रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली में जौहर यूनिवर्सिटी तथा मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से जुड़े 10 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत की जा रही है। एजेंसी की टीमें वित्तीय दस्तावेज, बैंकिंग रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य खंगाल रही हैं।

रामपुर में सुबह करीब सात बजे ED की टीम जौहर यूनिवर्सिटी पहुंची। परिसर के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया। टीम ने अंदर दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच शुरू की। खास बात यह रही कि छापेमारी के बावजूद यूनिवर्सिटी में कक्षाएं चलती रहीं। छात्रों को आईडी कार्ड की जांच के बाद प्रवेश दिया गया, जबकि अभिभावकों को गेट से ही लौटाया गया।

ED की कार्रवाई का मुख्य फोकस सरकारी ठेकों से कथित तौर पर यूनिवर्सिटी और ट्रस्ट तक पहुंचाए गए धन की मनी ट्रेल पर है। जांच एजेंसी के अनुसार, कुछ ऐसे लेन-देन की पड़ताल की जा रही है जिनमें सरकारी ठेके हासिल करने वाले ठेकेदारों से धन कथित रूप से ट्रस्ट या यूनिवर्सिटी तक पहुंचा। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि पैसा किन लोगों और कंपनियों के माध्यम से आया और उसका इस्तेमाल किन संपत्तियों, निर्माण कार्यों अथवा अन्य गतिविधियों में हुआ। एक टीम ने सहारनपुर में जौहर ट्रस्ट से जुड़े चार्टर्ड अकाउंटेंट दीपक गुप्ता के अंबाला रोड स्थित कार्यालय और दिल्ली रोड स्थित आवास पर भी तलाशी ली। यहां वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेज और रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। दिल्ली में भी ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी से जुड़े परिसरों को जांच के दायरे में लिया गया है।

सरकारी ठेकों के पैसे की मनी ट्रेल खंगाल रही एजेंसी

38 इमारतों पर लटक रही तलवार

ED की कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब जौहर यूनिवर्सिटी पहले से ही अपनी 40 में से 38 इमारतों को लेकर कानूनी विवाद में है। रामपुर विकास प्राधिकरण की कार्रवाई में इन भवनों के निर्माण में जरूरी मंजूरियों का पालन नहीं किए जाने का आरोप लगाया गया था। इन्हें गिराने का आदेश दिया गया था, लेकिन मुरादाबाद मंडलायुक्त की अदालत ने इस कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी। मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होनी है। इस विवाद को लेकर आजम खान की पत्नी तजीन फातमा ने भी सरकार से कार्रवाई पर पुनर्विचार की अपील की है।

मुकदमों का लंबा सिलसिला

आजम खान लंबे समय से जेल में हैं। उनके खिलाफ 100 से अधिक मामले दर्ज रहे हैं। उनके वकील इमरानुल्लाह के मुताबिक, दोहरे पैन कार्ड मामले को छोड़कर बाकी मामलों में उन्हें जमानत मिल चुकी है या वे बरी हो चुके हैं। फिलहाल वे दोहरे पैन कार्ड मामले में मिली सजा के बाद जेल में हैं और जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख कर चुके हैं। ईडी की मौजूदा कार्रवाई हालांकि अलग जांच से जुड़ी है। एजेंसी जौहर ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं और सरकारी ठेकों के धन की आवाजाही की जांच कर रही है। तलाशी से मिले दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

हॉकी वर्ल्ड कप में आज भारत बनाम पाकिस्तान

पिछले 10 साल से टीम इंडिया नहीं हारी, जीते तो टॉप-8 में पहुंचेंगे

एम्सटेलवीन। मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में आज भारत-पाकिस्तान का मुकाबला होगा। पूल-D का यह मुकाबला वैगनर हॉकी स्टेडियम में शाम 6:30 बजे से से खेला जाएगा।

टीम इंडिया पिछले 10 साल से पाकिस्तान के खिलाफ अजेय है। दोनों टीमों 19 मैच हुए हैं। इनमें भारत 17 मैच जीता, जबकि 2 ड्रॉ रहे। पाकिस्तान ने आखिरी बार साउथ एशियन गेम्स 2016 के फाइनल में भारत को 1-0 से हराया था।

भारत पहला मुकाबला वेल्स से 3-1 से जीता, जबकि इंग्लैंड से 1-4 से हार गया। टीम 2 मैचों में 3 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। टीम यह मैच जीती तो 6 अंक के साथ अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। वहीं अगर पाकिस्तान हारा तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा।

विस्तृत खबर पेज-7 पर ...

रक्षाबंधन पर सौगात... बहनों के खाते में इस बार आ रहे 1750 रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में इस बार रक्षाबंधन पर बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि मिल रही है। हर महीने मिलने वाली 1500 रुपए की किस्त के साथ यह राशि जुड़ने से आज बहनों के खातों में कुल 1750 रुपए जमा किये जा रहे हैं। मैहर में आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव पहुँच चुके हैं। वे सिंगल क्लिक से 1 करोड़ 25 लाख 35 हजार महिलाओं के खातों में कुल 2148 करोड़ रुपए ट्रांसफर करेंगे।

लाड़ली बहना योजना की पात्र महिलाओं के साथ उज्ज्वला योजना का लाभ लेने वाली पात्र महिलाओं को भी 250 रुपए की अतिरिक्त राशि दी जा रही है। योजना के तहत हर महीने नियमित किस्त जारी की जाती है। जुलाई में भिंड जिले के लहार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 38वीं किस्त के रूप में 1835 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए थे। इस बार 250 रुपए अतिरिक्त देने के कारण कुल राशि बढ़ी है।

पांच मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 की मौत

कोलकाता। कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग में मंगलवार रात करीब 1:45 बजे आग लग गई। बिल्डिंग के अंदर कई होटल थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, इनमें 2 महिलाएं और एक 4 साल का बच्चा शामिल है। सभी बेहोशी की हालत में मिले थे। 6 लोग घायल हुए हैं। अब तक 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

आग लगने के वक्त होटलों में ज्यादातर लोग सो रहे थे। बिल्डिंग में धुआं भरने के कारण उनका दम घुटने लगा। मरने वालों में भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। लोगों की पहचान की जा रही है।

मेट्रो एंकर | इको-फ्रेंडली फैशन... मंदिरों में चढ़ाए गए फूलों से तैयार हर्बल रंग से कपड़ों पर प्रिंटिंग

दो सहेलियां, पूंजी 40 हजार... इनके ब्रांड की माधुरी दीक्षित भी मुरीद

नई दिल्ली, एजेंसी

यह कहानी है यूपी की दो कॉलेज फ्रेंड्स की। इनमें आकृति वर्मा लखनऊ से हैं और भव्या झुनझुनवाला कानपुर से। दोनों ने दुनियाभर में तेजी से फैलते 'फास्ट फैशन' के कचरे और स्थानीय कारीगरों की अनदेखी को चुनौती देने के लिए नई राह चुनी। 2024 में इन सहेलियों ने फैशन स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम SewMuchBetter है। सिर्फ 40 हजार रुपये की शुरुआती पूंजी से कानपुर में एक पुराने मकान को स्टूडियो बनाकर काम शुरू किया। यह ब्रांड आज मंदिर के चढ़े फूलों और हर्बल रंगों का इस्तेमाल कर खूबसूरत इको-फ्रेंडली साड़ियां, शर्ट्स और स्कार्फ बना रहा है। इन्हें बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित जैसी हस्तियां भी पहन चुकी हैं।

ब्रिटेन से 'टेक्सटाइल सस्टेनेबिलिटी एंड इनोवेशन' में मास्टर्स करने के दौरान भव्या ने देखा कि बड़े फैशन ब्रांड्स भारत और बांग्लादेश में बने कपड़े बेचते हैं। लेकिन, इसके पीछे के असल कारीगरों को कभी पहचान नहीं मिलती। दूसरी तरफ लखनऊ की आकृति ने 'टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज' से सस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट में एमबीए पूरा किया। वह फास्ट फैशन के चलते पर्यावरण में जमा हो रहे कपड़ों के कचरे को लेकर चिंतित थीं। दोनों सहेलियों ने अपनी शिक्षा और अनुभव को मिलाकर एक स्वदेशी ब्रांड बनाने का फैसला किया।

फास्ट फैशन की बड़ी मशीनों के उलट इस ब्रांड का हर एक प्रोडक्ट पूरी तरह से हस्तनिर्मित है। एक सिंगल स्कार्फ को तैयार करने में 4 लोगों की टीम को लगभग 6 से 7 दिन का समय लगता है। ब्रांड के पास अभी इको-प्रिंटेड चंदेरी शर्ट्स, मल कॉटन स्कार्फ, शॉर्ट कुर्तियां और अपसाइकिल्ड ज्वेलरी सहित 100 से अधिक एसकेयू मौजूद हैं। इनके मेन्सवेयर की शुरुआत 2,500 रुपये से होती है। वहीं, हस्तनिर्मित एम्ब्रॉयडरी वाली फ्लैगशिप साटन सिल्क साड़ी की कीमत 39 हजार रुपये तक है।

जीरो वेस्ट मॉडल पर काम

इस ब्रांड की मेकिंग प्रोसेस पूरी तरह से इको-फ्रेंडली है। यहां कपड़े को पक्का करने के लिए हरड़ या फिटकरी से ट्रीट किया जाता है। इसके बाद मंदिरों और गलियों से जुटाए गए गेंदे के फूलों और पत्तियों को कपड़े पर बिछाकर भाप से नेचुरल प्रिंटिंग की जाती है। इस प्रक्रिया में प्लास्टिक की जगह मक्के के स्टार्च से बनी बायोडिग्रेडेबल शीट्स का इस्तेमाल होता है। बचे फूल-पत्तियों का इस्तेमाल कंपोस्ट बनाकर पौधों के लिए किया जाता है। पैकेजिंग के लिए स्थानीय बुटीक से बचे कपड़ों के टुकड़ों से झोले तैयार किए जाते हैं। इससे यह पूरी तरह जीरो-वेस्ट मॉडल बनता है।

डिमॉन्स्ट्रेशन मल्टीपर्पज स्कूल को केंद्रीय विद्यालय संगठन में मर्ज करने का प्रस्ताव, करीब 400 विद्यार्थियों ने कहा-यहां नवाचार-प्रयोगात्मक पढ़ाई, वहां का पता नहीं

विदिशा-उज्जैन के बाद अब भोपाल में सड़क पर जेन-अल्फा..बोले-स्कूल मर्ज नहीं करने देंगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

विदिशा और उज्जैन के बाद अब राजधानी भोपाल में जेन अल्फा का प्रोटेस्ट सामने आया है। पहली बार शैक्षणिक संस्थान के मुद्दे पर 'जेन अल्फा प्रोटेस्ट' ने विरोध प्रदर्शन किया। जमकर नारेबाजी की। रीजनल स्कूल के करीब 300 से 400 छात्र-छात्राएं रीजनल स्कूल को केंद्रीय विद्यालय संगठन में मर्ज किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में उतर आए। बच्चों ने हाथों में 'सेव डीएमएस' समेत अलग-अलग पोस्टर थामे। रीजनल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एसके गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर मर्जर का विरोध किया।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि प्रबंधन नहीं माना तो चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। विद्यार्थियों ने मर्जर के विरोध में कई तर्क रखे। विद्यार्थियों ने कहा कि डेमोस्ट्रेशन मल्टीपर्पज स्कूल (डीएमएस) सामान्य स्कूल नहीं है। यहां पढ़ाई के साथ उन्हें कौशल विकास भी सिखाया जाता है। स्कूल की शैक्षणिक पहचान और प्रयोगात्मक स्वरूप अन्य स्कूलों से बिल्कुल अलग है। इस स्कूल में होने वाले नवाचार ही इसे अन्य से अलग बनाते हैं।

ऐसे में केंद्रीय विद्यालय संगठन में मर्ज किए जाने से स्कूल की पहचान गुम हो जाएगी। इस दौरान अभिभावकों ने भी चिंता जताई। उन्होंने कहा,केंद्रीय विद्यालय की प्रवेश नीति भी चिंता पैदा कर रही है। उनकी प्राथमिकताएं अलग हैं। बता दें, विदिशा के साथ उज्जैन में 14 अगस्त को ही सराफा स्कूल की छात्राओं ने सांदीपनि विद्यालय में शिफ्टिंग का विरोध किया था। इसके बाद प्रशासन ने चार दिन बाद मंगलवार को उनकी मांगें मान ली।

ये हैं मांगें

- रीजनल स्कूल का केंद्रीय विद्यालय संगठन में संविलयन नहीं किया जाए।
- स्कूल की अलग शैक्षणिक पहचान को बनाए रखें।
- डीएमएस में प्रयोगात्मक शिक्षा मिलती है, केंद्रीय विद्यालय में संविलयन से ऐसा नहीं होगा।

सेव डीएमएस' के पोस्टर लेकर पहुंचे छात्र

प्रदर्शन के दौरान छात्र-छात्राओं के हाथों में 'सेव डीएमएस' लिखे पोस्टर नजर आए। डीएमएस यानी डेमॉन्स्ट्रेशन मल्टीपर्पज स्कूल को हिंदी में प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय कहा जाता है। छात्रों और अभिभावकों का कहना है कि रीजनल स्कूल सामान्य स्कूल नहीं है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग और नवाचार के लिए इसकी अलग पहचान है।

प्रवेश नीति बदलने की सता रही चिंता

प्रदर्शन में शामिल छात्रों के अभिभावकों को बड़ी चिंता केंद्रीय विद्यालय की प्रवेश नीति को लेकर है। उनका कहना है, केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश की प्राथमिकताएं अलग हैं। ऐसे में रीजनल स्कूल के मौजूदा छात्रों और भविष्य में सामान्य परिवारों के बच्चों के प्रवेश को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। यह स्थिति भी साफ होनी चाहिए।

निर्णय से पहले चर्चा होनी चाहिए थी

एक छात्र के पिता ने बताया कि उन्हें संविलयन की जानकारी औपचारिक रूप से नहीं दी गई। कुछ अभिभावकों और स्कूल स्टाफ के माध्यम से यह पता चला। इसके बाद अभिभावकों ने आपस में चर्चा शुरू की। उनका कहना है कि इतने बड़े निर्णय से पहले छात्रों और अभिभावकों से भी बात की जानी चाहिए थी।

नेता प्रतिपक्ष बोलीं-बजट में नहीं था, अब बोझ क्यों

निगम परिषद में टैक्स वृद्धि-मास्टर प्लान पर बरपा हंगामा, आसंदी घेरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल नगर निगम परिषद की आईएसबीटी स्थित मीटिंग हॉल में चल रही बैठक में आज जमकर हंगामा बरपा। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने शहर में टैक्स बढ़ाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने महापौर मालती राय के बजट भाषण का हवाला देते हुए सवाल किया कि जब मार्च में बजट पेश करते समय कहा गया था कि शहरवासियों पर कोई नया टैक्स नहीं बढ़ाया है तो बाद में कई इलाकों के परिक्षेत्र बदलकर टैक्स क्यों बढ़ाया है। महापौर मालती राय ने जवाब दिया कि परिक्षेत्र हर साल बदले जाते हैं और इस बार भी प्रक्रिया के तहत परिक्षेत्र बदले गए हैं। जकी ने सवाल किया कि यदि परिक्षेत्र बदलना तय प्रक्रिया है तो यह जानकारी बजट भाषण में क्यों नहीं दी गई। भोपाल का मास्टर प्लान लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की आसंदी घेरी। कहा कि भोपाल का मास्टर प्लान बहुत जरूरी है। इसे तत्काल लागू करना चाहिए।

मास्टर प्लान पर घेरा

कांग्रेस के सीनियर पार्षद मो. सरवर ने कहा, नारियलखेड़ा में कल ही कई मकान और दुकानें तोड़ दी गई। लोग बेघर हो गए। कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई की। जब मकानों की रजिस्ट्री हो रही थी, तब क्यों नहीं रोका। कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा, आवासीय भवनों में कमर्शियल एक्टिविटी होने पर निगम खुद टैक्स वसूल रहा है। क्या निगम व्यापारियों को टैक्स वापस करेगा? परिषद में मास्टर प्लान का प्रस्ताव पास करें। इसे सरकार को भेजेंगे।

अध्यक्ष बोले-बजट पर हुई चर्चा मुद्दा उठाना था

विवाद बढ़ा तो परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को बजट पर चर्चा के दौरान ही यह मुद्दा उठाना चाहिए था। इस पर जकी ने कहा कि बजट की जानकारी बैठक से कुछ मिनट पहले ही दी जाती है, ऐसे में पहले से तैयारी कैसे की जा सकती है। शहरवासियों पर टैक्स का अतिरिक्त बोझ डालने से पहले इसकी जानकारी स्पष्ट रूप से परिषद में रखी जानी चाहिए थी। विपक्ष ने बारिश के बाद बदहाल हुई शहर की कई सड़कों का मुद्दा भी उठाया। कहा, पैदल चलना मुश्किल हो गया है। फिर भी सड़क और गड्ढों का मुद्दा एजेंडे में नहीं है।

आदेश, दिखावे की कार्रवाई और फिर जिम्मेदारों का वही पुराना टर्रा, नतीजा-जलस्रोतों का घुटने लगा दम

बड़ा तालाब हो या छोटा, एनजीटी के आदेश के बाद भी अफसरों को कोई परवाह नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

छोटे तालाब को सीवेज की गंदगी से मुक्त करवाए जाने और इसके जल की गुणवत्ता को सुधारने को लेकर करोड़ों रुपए खर्च किए जा चुके हैं। लेकिन जमीन पर यहां की स्थिति अब भी चिंताजनक है। छोटे तालाब में इलाके के 28 छोटे-बड़े नालों के जरिए रोजाना करीब 80 से 100 लाख लीटर तक अनट्रीटेड सीवेज सीधे तौर पर पहुंच रहा है। बरसात में यह समस्या और बढ़ जाती है। यहां पर सीवेज लाइन के चैंबर ओवरफ्लो होने के कारण बिना ट्रीटमेंट किया हुआ ही गंदा पानी यहां पर सीधे छोटे तालाब में पहुंच जाता है। मामले को गंभीर पर्यावरणीय मुद्दा मानते हुए एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने अब जांच के लिए तीन सदस्यीय संयुक्त समिति बनाई है। समिति को छह हफ्ते में रिपोर्ट देनी होगी। इसके आधार पर ट्रिब्यूनल आगे के निर्देश जारी करेगा। एनजीटी ने राज्य सरकार, नगर निगम, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और वेटलैंड अथॉरिटी सहित संबंधितों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अब 5 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

छोटा तालाब के विषय के साथ ही कलियासोत डैम क्षेत्र स्थित स्टेट डेयरी फार्म की 8 एकड़ जमीन पर 10 हजार पौधे लगाने के लिए 700 से अधिक पेड़-पौधों को काटने और जेसीबी से कई पुराने पेड़ों को जड़ समेत उखाड़ने के मामले में एनजीटी ने कड़ा रुख अपनाया है।

छोटे तालाब की हालत ऐसी है कि इसमें जलीय जीव भी मरने लगे हैं। 29 जून को ही तालाब में बड़ी संख्या में मछलिया मरी मिली थी।

बड़े तालाब से छोटा तालाब जोड़ने वाली सुरंग बंद

मामले में पता चला है कि बड़ा तालाब और छोटे तालाब को जोड़ने वाली सुरंग बंद है। इसके कारण छोटे तालाब में ताजे पानी के प्रभावी प्रवाह का रास्ता भी बाधित है। ऐसे में एक तरफ तालाब में सीवेज की लगातार आमद हो रही है, वहीं, दूसरी तरफ उसे बाहर निकालने के लिए ताजे पानी का पर्याप्त प्रवाह नहीं है।

सीवेज नेटवर्क पर उठे सवाल

छोटे तालाब में बिना उपचारित सीवेज लगातार पहुंचने से अमृत परियोजना के तहत बिछाए गए सीवेज नेटवर्क की कार्यक्षमता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। जिस नेटवर्क का उद्देश्य जलस्रोतों में सीवेज को जाने से रोककर उसे ट्रीटमेंट के लिए संयंत्र तक ले जाने का था। उसके ही चैंबर बारिश में तालाब में गंदा पानी पहुंचा रहे हैं। एनजीटी की बनाई संयुक्त समिति जांच करेगी कि सीवेज नेटवर्क की क्षमता, संचालन और रखरखाव में कहां कमी रही है।

दिसंबर 2027 तक 10 एमएलडी का एसटीपी

बाणगंगा नाले से छोटे तालाब में सीवेज पहुंच रहा है। तालाब में नाला मिलने वाले स्थान और किनारे के हिस्से में नगर निगम का ठोस कचरा भी जमा मिला।क्षेत्र से आठ से 10 एमएलडी अपशिष्ट जल निकल रहा है। निगम ने सीवेज के उपचार के लिए 10 एमएलडी क्षमता के एसटीपी को दिसंबर 2027 तक शुरू करने की तैयारी में है। लेकिन तब तक तालाब की हालत और बिगड़ेगी। बताते हैं, इस पर वैकल्पिक उपचार व्यवस्था शुरू कर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की गणना की जाएगी। यह राशि दिसंबर 2027 तक (एसटीपी शुरू होने) तक करीब 1.70 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है।

एनजीटी के आदेश के बाद भी जिम्मेदार बेपरवाह, ये मुद्दे खत्म नहीं

बड़ा तालाब के कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटाने के आदेश एनजीटी लंबे समय से दे रहा है। लेकिन नगर निगम के जिम्मेदार इसे गंभीरता से ही नहीं ले रहे। 29 जुलाई को भी एनजीटी ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा था कि बड़ा तालाब के एफटीएल से 50 मीटर दायरे में बचे 72 अतिक्रमणों को हटाएं। इसके लिए जिला प्रशासन को तीन सप्ताह का अंतिम समय दिया। इस आदेश को 20 दिन बीते, लेकिन निगम ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की। एनजीटी ने साफ कहा था कि कार्रवाई न होने पर संबंधित एसडीएम और तहसीलदार व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। चूंकि 21 अगस्त को निगम को एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करनी है। ऐसे में अफसरों ने आदेश के पालन के लिए नायाब तरीका ढूंढ़ निकाला। उन्होंने 6 दिन पहले बड़ा तालाब के एफटीएल से 50 मीटर दायरे में पसरे अतिक्रमणों पर कार्रवाई की। यहां मैरिज गार्डन बनाने के लिए जो बाउंड्रीवाल बनाई गई थी, उस पर कार्रवाई कर आदेश की खानापूर्ति कर ली।

सवाल?

अफसरों के इस रवैये से सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर 72 अतिक्रमण चिह्नित करने के बाद भी वे कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रहे? क्या शहर की लाइफलाइन बड़ा तालाब को बचाने के लिए वे सकारात्मक पहल तक नहीं कर सकते?

यह भी खूब...पेड़ लगाने उखाड़ दिए पेड़

कलियासोत डैम क्षेत्र स्थित स्टेट डेयरी फार्म की करीब आठ एकड़ जमीन पर 10 हजार पौधे लगाने की तैयारी अब पुराने पेड़ों की कटाई को लेकर विवाद में पड़ गई है। पौधरोपण के लिए जमीन तैयार करने के दौरान 700 से अधिक पेड़-पौधों को काटने और जेसीबी से कई पुराने पेड़ों को जड़ समेत उखाड़ने के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने गंभीर रुख अपनाया है। इसकी भी जांच के लिए टीम बनाई है।

पेंशनरों ने की मांग, बोले-नियम संशोधित करें

अविवाहित, विधवा और तलाशुदा बेटियों को भी दें पेंशन का लाभ

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पेंशन से जुड़े नए नियमों को लेकर पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। संगठन ने अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा पुत्रियों को पारिवारिक पेंशन का लाभ देने की व्यवस्था को केंद्रीय नियमों के अनुरूप बनाने तथा इसकी प्रभावी तिथि में संशोधन की मांग की है। संगठन का कहना है कि मौजूदा व्यवस्था से पात्र बेटियों को उनके अधिकार का लाभ मिलने में परेशानी हो सकती है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि मप्र सिविल सेवा पेंशन नियम 2026 के नियम 44 में पेंशनर की मृत्यु के बाद अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा पुत्री को पारिवारिक पेंशन देने का प्रावधान है। यह 1 अप्रैल 2026 से लागू है।

सशक्तिकरण की नीति का भी मुद्दा

संगठन का तर्क है, इस प्रावधान को केंद्र की व्यवस्था के अनुरूप केंद्रीय प्रभावी तिथि से लागू करना चाहिए। एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने नियम 44 में संशोधन की मांग कर वित्त विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया है। भोपाल जिले के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने नए प्रावधान की प्रभावी तिथि को लेकर सवाल उठाते हुए इसे भेदभावपूर्ण बताया। कहा, महिलाओं के अधिकार और सशक्तिकरण की नीति को ध्यान में रखते हुए पात्र बेटियों को पेंशन का लाभ देने में असमानता नहीं होनी चाहिए।

शहर में भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक पर उमड़ पड़ी आस्था

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा भक्ति उत्साह से मनाया गया। शहर के मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक शांति धारा के साथ पूजा अर्चना की गई। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि इस दिवस को मुकुट सप्तमी भी कहते हैं। इस मौके पर अनेकों श्रद्धालुओं ने पूजा-जाप अनुष्ठान के साथ निर्जल उपवास किए। आचार्य समय सागर महाराज सासंघ के सानिध्य में भगवान का अभिषेक और निर्वाण भक्ति के उच्चारण के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाए गए। लाडू में देश भक्ति, गो सेवा, पर्यावरण की रक्षा का संदेश था, चंदन नगर पाठ शाला परिवार ने अर्घ्य अर्पित किया। ब्रह्मचारी भैया-बहनों ने श्री फल चढ़ाए। आचार्य श्री ने कहा साधना में मन को स्थिर संयत कर अनुशासन की आवश्यकता है। मुख्य निर्वाण लाडू राकेश विजय मोदी देवेंद्र वर्षा रुचि विनोद नीति चौधरी जिनेंद्र टोंग्या ने अर्पित किए।

कोलार में देर रात हुई घटना, परिचित से मांग कर आरोपी लाया था कार

90 की स्पीड में कार ने स्कूटी को उड़ाया, पिता की मौत, बेटा गंभीर; कार में कंडोम और शराब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में तेज रफ्तार इनोवा कार ने स्कूली सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। इसमें 35 साल के शुभम अवस्थी की मौत हो गई। उनका बेटा माधव गंभीर है। घटना कोलार क्षेत्र में रात 12 बजे हुई। कोलार टीआइ संजय सोनी ने बताया कि ड्राइवर ज्यादा नशे में था। उसने ब्रेक के बजाय गलती से एक्सेलरेटर दबा दिया। इससे कार बेकाबू हो गई। इनोवा का स्पीडोमीटर 90 किमी प्रति घंटे पर ही अटका मिला।

गंभीर रूप से घायल शुभम को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, उनके मासूम बेटे माधव की हालत गंभीर बनी हुई है। बेकाबू गाड़ी ने स्कूटी को टक्कर मारने से पहले सड़क पर कई अन्य लोगों को भी चपेट में ले लिया। पुलिस के अनुसार, 21 साल का आरोपी चालक अपने किसी परिचित की कार मांगकर लाया था। वह पार्टी में शामिल होने गया था। कार के अंदर से एक खाली व एक भरी हुई शराब की बोतल, डिस्पोजल और कंडोम मिले हैं। टक्कर के तुरंत बाद इनोवा के एयरबैग खुल गए। इससे आरोपी चालक बाल-बाल बच गया।

भीड़ ने चालक को पीटा

हादसे के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। भीड़ ने नशे में धुत चालक को मौके पर ही दबोच लिया। जमकर जमकर पिटाई कर दी। गुस्साए लोगों ने कार में भी तोड़फोड़ की।

बागसेवनिया पुलिस ने शुरू की जांच

शेयर मार्केट-आईपीओ में मुनाफे का झांसा दे साइबर ठगों ने लूटे 7.33 लाख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बाग सेवनिया में निजी कर्मचारी से शेयर मार्केट और आईपीओ में अधिक मुनाफे का झांसा देकर 7.33 लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पहले वाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर भरोसा जीता, फिर फर्जी निवेश ऐप डाउनलोड कराकर 13 ट्रांजेक्शन में रकम जमा कराई। बाद में निकासी की कोशिश करने पर अकाउंट ब्लॉक कर दिया।

पुलिस के अनुसार, 9ए साकेत नगर निवासी 36 वर्षीय उन्नाम रवितेजा 26 मई को लिंक के जरिए वेल्थ प्लानिंग 43 वाट्सएप ग्रुप से जुड़े थे। इसमें करण वर्मा, संजीव दास और सान्या गुप्ता खुद को शेयर मार्केट और आईपीओ विशेषज्ञ बताकर भारी मुनाफे का दावा करते थे। बाद में दूसरे नंबर से संपर्क कर जीवीएस इंस्टीट्यूशन ऐप डाउनलोड कराया गया। एक्सिस बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खातों से कुल 7,33,437 रुपए जमा कराए गए। रकम निकालने पर अकाउंट ब्लॉक कर 15% और जमा करने की मांग की गई। आरोपियों ने परिवार के जेवर गिरवी रखने तक की सलाह दी। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर मोबाइल नंबर, खाते, यूपीआई ट्रांजेक्शन और ऐप की जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर हमीदिया होने जा रहा पेपरलेस, पायलट प्रोजेक्ट में परखी जा रहीं व्यवस्थाएं

अब ओपीडी में पर्चा नहीं, टोकन; मरीज की हर जांच ऑनलाइन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मरीजों को कागजी पर्चे और रिपोर्ट संभालने की परेशानी से राहत देने के साथ हमीदिया अस्पताल अब पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी कदम आगे बढ़ा रहा है। हमीदिया अस्पताल में न्यू हॉस्पिटल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (एचआईएमएस) का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। अब ओपीडी पर्चे की जगह टोकन नंबर मिलेगा, जबकि उसकी मेडिकल हिस्ट्री, जांच और रिपोर्ट ऑनलाइन दर्ज होगी। मालूम हो कि हमीदिया अस्पताल में हर साल सिर्फ ओपीडी पर्चे के लिए ही एक करोड़ रुपए से ज्यादा पेपर का इस्तेमाल किया जाता है। इस कदम से पेपर की बचत होगी।

टोकन से खुलेगा मरीज का रिकॉर्ड

ओपीडी में आने वाले मरीज का रजिस्ट्रेशन होने के बाद उसे ओपीडी पर्चे के बजाय टोकन नंबर दिया जाएगा। उस नंबर के आधार पर ही उसे ओपीडी में समय दिया जाएगा। वहीं मरीज की मेडिकल हिस्ट्री, डॉक्टर की सलाह, जांच और रिपोर्ट ऑनलाइन रिकॉर्ड में जुड़ती जाएंगी। जब डॉक्टर कम्प्यूटर पर टोकन नंबर डालेंगे तो मरीज की सारी जानकारी सामने आ जाएगी। हालांकि पेपरलेस सिस्टम की सबसे बड़ी चुनौती अस्पताल के अंदर इंटरनेट कनेक्टिविटी है। नेटवर्क नहीं होने पर मरीज को इंतजार करना पड़ सकता है।

डिजिटल रिकॉर्ड से मरीजों का फॉलोअप आसान

- मरीज के इलाज का रिकॉर्ड एक ही डिजिटल सिस्टम में उपलब्ध रहने से पुरानी रिपोर्ट या पर्चा खोने की समस्या कम होगी। डॉक्टर को पिछली जांच और इलाज की जानकारी जल्दी मिलेगी। इससे फॉलोअप आसान होगा।
- मरीजों का ओपीडी पर्चा ए-फोर साइज शीट पर बनाया जाता है। इसके बाद तमाम जांच और उनकी बिलिंग में दो से तीन पेपर की जरूरत होती है। वहीं भर्ती होने पर 1 सप्ताह अस्पताल में केस शीट डिस्चार्ज टिकट के लिए 7 से 10 पेपर की जरूरत होती है। ऐसे में एक भर्ती मरीज पर 15 से 18 पेपर लगते हैं।
- पेपर की बचत का असर पर्यावरण पर भी पड़ेगा। बता दें, पेड़ों की कटाई के बाद पेपर तैयार किए जाते हैं।

जल्द पूरी तरह किया जाएगा लागू

गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता एन. सिंह का कहना है कि पेपरलेस वर्किंग के लिए स्वास्थ्य विभाग सभी अस्पतालों में एचआईएमएस सॉफ्टवेयर को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर इसे पूरी तरह से लागू किया जाएगा। ' जल्द ही इसका असर अस्पताल में आने वाले मरीजों और प्रबंधन के बजट पर भी नजर आएगा।

संत रविदास की वाणी से समरसता का संदेश, सीएम का ऐलान

रविदास से जुड़े तीर्थों का कायाकल्प उज्जैन में आकार लेगा भव्य गुरुद्वारा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर मध्यप्रदेश में सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए समरसता संकल्प अभियान और कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ हुआ। रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समरसता संकल्प अभियान के माध्यम से सर्वसमाज को एकता के सूत्र में बांधने का लक्ष्य रखा है। जातिवाद जैसी चुनौतियों के बीच समाज में पवित्र भाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करने की आवश्यकता है। संत रविदास ने भी अपने विचारों और भक्ति के माध्यम से सामाजिक भेदभाव मिटाने तथा समाज को जोड़ने का संदेश दिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि सागर में करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से संत रविदास महाराज का भव्य मंदिर और स्मारक तैयार हो रहा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसके लोकार्पण के लिए आमंत्रित किया जाएगा। संत रविदास की 650वीं जयंती वर्ष में उज्जैन में उनकी वस्तुओं और शिष्य के समाधि स्थल को संरक्षित करते हुए भव्य गुरुद्वारे के निर्माण के लिए भूमि-पूजन किया जाएगा । उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिन स्थानों पर संत रविदास के चरण पड़े हैं, उन सभी तीर्थ स्थलों के विकास और उन्नयन की दिशा में भी काम किया जाएगा।

समरसता अभियान में हर स्तर पर सहयोग का भरोसा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समरसता संकल्प अभियान की कार्ययोजना में हरसंभव सहयोग देगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से संत रविदास के विचारों को जीवन में अपनाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास ने कर्म और भक्ति के साथ समाज को एकजुट करने का संदेश दिया। उनके विचार आज भी सामाजिक एकता और मानव कल्याण के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने संत रविदास के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भेदभाव से ऊपर उठकर सभी को समान दृष्टि से देखने की प्रेरणा दी। संत परंपरा ने भी सामाजिक समरसता की इस भावना को आगे बढ़ाया और समाज में एकता का संदेश मजबूत किया।

गांव-गांव पहुंचेगी कलश वंदन यात्रा

अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने बताया कि संत रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर शुरू की गई कलश वंदन यात्रा को प्रदेश के गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। प्रत्येक गांव और कस्बे में कलशों की शोभायात्रा निकाली जाएगी। अभियान के दौरान संतों से संपर्क के साथ समाज के विभिन्न वर्गों तक संत रविदास के विचार पहुंचाए जाएंगे। पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष लालसिंह आर्य ने कहा कि संत रविदास ने सामाजिक समरसता और मानव कल्याण का मार्ग दिखाया।

'मंदिरों की लूट' पर भाजपा विधायक बोले- सनातन बोर्ड बनना जरूरी

भोपाल। आलोट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने हिंदू मंदिरों की संपत्ति और उनके प्रबंधन को लेकर बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर 'भारतीय मंदिर संपदा शोषण और समाधान-एक विवेचन' शीर्षक से वीडियो जारी कर मंदिरों की संपत्ति के इतिहास, सरकारी नियंत्रण, दान, जमीन और आय के इस्तेमाल पर

विस्तार से अपनी बात रखी। मालवीय ने मंदिरों को राज्य सरकारों के नियंत्रण से मुक्त कर सनातन बोर्ड बनाने का सुझाव दिया है। मालवीय ने कहा कि भारतीय समाज में दान, सहयोग, करुणा और सेवा की परंपरा रही है। धार्मिक त्योहारों और अवसरों पर दान देना परिवारों की संस्कृति का हिस्सा रहा है। राजाओं और महाराजाओं ने भी मंदिरों को बड़ी मात्रा में दान दिया। इसी वजह से हजारों वर्षों में मंदिर धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के साथ संपन्नता के केंद्र भी बनते गए। उन्होंने सोमनाथ मंदिर पर 1026 में महमूद गजनवी के हमले का उदाहरण देते हुए मंदिर में मौजूद सोना, मुद्राएं और आभूषणों का उल्लेख किया। मालवीय ने कहा कि यदि उस समय की संपदा को आज के मूल्य से आंका जाए तो उसकी कीमत बहुत बड़ी हो सकती है।

शिक्षकों की ई-अटेंडेंस में नया बदलाव...

अब गणित के सवाल का सही जवाब देने पर ही लगेगी हाजिरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और अतिथि शिक्षकों की ई-अटेंडेंस व्यवस्था में स्कूल शिक्षा विभाग ने एक बदलाव किया है। अब शिक्षकों की हाजिरी अंकों का जोड़-घटाव का सही जवाब दिए बिना दर्ज ही नहीं होगी। गणितीय ज्ञान से सही जवाब देने पर ही मास्साब की उपस्थिति दर्ज हो पाएगी। दरअसल विभाग ने सर्वर पर एक साथ पड़ने वाले अत्यधिक लोड को कम करने के लिए ऐप में सत्यापन का सुरक्षा चक्र यानी कैप्चा जोड़ा है। अब अटेंडेंस मार्क करते समय पूछा जाएगा 68 - 15 = ?। अगर शिक्षक ने सही उत्तर 53 दर्ज नहीं किया तो ऐप आगे बढ़ने की अनुमति नहीं देगा।

इसमें समय लग सकता है, इसके लिए हाजिरी मार्क करने के लिए शिक्षकों को 15 मिनट का ग्रेस टाइम दिया गया है। विभाग का कहना है कि कैप्चा दर्ज करने में लगने वाले अलग-अलग समय के कारण शिक्षकों की हाजिरी एक ही क्षण में सर्वर पर दर्ज नहीं होगी। इससे सर्वर पर अचानक बढ़ने वाले लोड को कम करने में मदद मिलेगी। विभाग ने शिक्षकों को कैप्चा भरने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया है। शिक्षकों को सुबह 10.30 बजे लॉगिन और शाम 4.15 बजे लॉगआउट करने पर 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

लॉगआउट के समय क्रैश हुआ था सर्वर

प्रदेश में करीब साढ़े तीन लाख से अधिक शिक्षक और अतिथि शिक्षक ई-अटेंडेंस दर्ज करते हैं। बीते दिनों करीब पौने दो लाख शिक्षकों के एक साथ ऐप से लॉगआउट करने के कारण सर्वर ठप होने की समस्या सामने आई थी। इसके चलते शिक्षकों को तकनीकी परेशानी का सामना करना पड़ा था। कैप्चा और अतिरिक्त ग्रेस टाइम के जरिए हाजिरी दर्ज करने की प्रक्रिया को कुछ अंतराल में बांटने का प्रयास किया गया है, ताकि ऐप सुचारु रूप से चलता रहे और शिक्षकों को भी ई-अटेंडेंस दर्ज करने में परेशानी न हो। - **अभिषेक सिंह, आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय**

इसके अलावा कैप्चा प्रक्रिया में देरी होने पर शिक्षक या प्राचार्य को ऐप पर सूचना भेजी जाएगी।

भवन विहीन विद्यालयों के लिए भवन व्यवस्था होगी

भोपाल। प्रदेश में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं सुविधायुक्त बनाने के लिए बैठक कर व्यापक विचार-विमर्श कर कार्ययोजना तैयार की गई है। कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन से आने वाले समय में प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। प्रदेश में विद्यार्थियों को सर्वसुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में ऐसे विद्यालयों को भी चिन्हित किया गया है, जो भवन विहीन हैं अथवा जिनकी कक्षाएं अन्य विद्यालयों के भवन में संचालित हो रही हैं। इन विद्यालयों के लिए आवश्यकतानुसार भवन व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बड़वानी पुलिस की बड़ी उपलब्धि

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस कार्यप्रणाली में गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं निरंतर सुधार को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के क्रम में बड़वानी पुलिस ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल के नेतृत्व में जिले के 5 पुलिस थानों एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय बड़वानी को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाएं विकसित करने पर ISO प्रमाणन प्राप्त हुआ है। आयोजित कार्यक्रम में संस्था के सलाहकार एस.के. विद्यार्थी द्वारा डीआईजी निमाड़ रेंज सिमाला प्रसाद की उपस्थिति में ISO प्रमाण-पत्र पुलिस अधीक्षक बड़वानी पद्मविलोचन शुक्ल को प्रदान किए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ISO प्रमाणन की प्रक्रिया के अंतर्गत संबंधित पुलिस थानों एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया।

इमरान का हाल और लोकतांत्रिक संकट

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से अस्पताल तक पहुंची कहानी अब केवल एक कैदी की स्वास्थ्य समस्या नहीं रह गई है। यह पाकिस्तान की लोकतांत्रिक व्यवस्था, न्यायपालिका और सत्ता के बीच चल रहे उस संघर्ष का आईना बन गई है, जिसमें इंसान की बीमारी भी राजनीति का हिस्सा दिखाई देने लगती है। 73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं और अब उनके स्वास्थ्य, खासकर आंखों की समस्या और अन्य चिकित्सकीय चिंताओं को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि परिवार को उनसे मिलने के अधिकार के लिए भी अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। उनकी बहन नूरिन नियाजी करीब नौ महीने बाद उनसे मिल सकीं। सुप्रीम कोर्ट को साप्ताहिक पारिवारिक मुलाकात की व्यवस्था तक स्पष्ट रूप से निर्देशित करनी पड़ी। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए असहज करने वाली होनी चाहिए। किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचारों या उसके खिलाफ चल रहे मुकदमों से अलग, परिवार से मिलने और समुचित चिकित्सा पाने का अधिकार बुनियादी मानवीय अधिकारों के दायरे में आता है। अब पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को रावलपिंडी की अदियाला जेल से इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाने का आदेश दिया है। उन्हें विशेषज्ञों और उनके निजी चिकित्सक की भागीदारी वाले मेडिकल बोर्ड की निगरानी में रखने तथा 16 सितंबर तक अस्पताल में उपचार की व्यवस्था करने को कहा गया है।

यह आदेश पाकिस्तान की सरकार के लिए भी एक गंभीर संदेश है। अगर एक पूर्व प्रधानमंत्री की चिकित्सा संबंधी स्थिति स्पष्ट करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़े और परिवार की मुलाकात सुनिश्चित कराने के लिए भी अदालत को निर्देश देना पड़े, तो सवाल केवल इमरान खान का नहीं रह जाता। सवाल यह है कि जेल प्रशासन और सरकार पर भरोसा क्यों नहीं किया जा रहा? इमरान खान के खिलाफ मुकदमे वास्तविक हैं या राजनीतिक प्रतिशोध का परिणाम—इस पर पाकिस्तान में तीखा मतभेद है। इमरान और उनकी पार्टी आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हैं, जबकि सरकार उन्हें कानूनी प्रक्रिया का परिणाम बताती है। लेकिन यही वह जगह है जहां लोकतंत्र की असली परीक्षा होती है। राजनीतिक विरोधी को हराने का सबसे मजबूत तरीका उसे कानून के सामने निष्पक्ष सुनवाई देना है, न कि ऐसी परिस्थितियां पैदा करना जिनसे उसके समर्थकों को संदेह और सहानुभूति दोनों मिलें। पाकिस्तान का इतिहास बताता है कि वहां सत्ता ने विरोधियों को कमजोर करने के लिए संस्थाओं का इस्तेमाल किया है, लेकिन हर बार इसका लाभ अंततः लोकतंत्र को नहीं, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता को मिला है। इमरान खान को जेल में रखकर उनकी लोकप्रियता खत्म नहीं हुई; उलटे वे अपने समर्थकों के लिए प्रतिरोध का प्रतीक बनते गए हैं। इसलिए अस्पताल का यह आदेश इमरान खान को मिली राहत भर नहीं है। यह पाकिस्तान की सत्ता व्यवस्था के लिए चेतावनी भी है। किसी पूर्व प्रधानमंत्री से असहमति रखी जा सकती है, उसे चुनाव में हराया जा सकता है और कानून के तहत दोषी भी ठहराया जा सकता है, लेकिन उसके स्वास्थ्य और मानवीय अधिकारों पर संदेह की गुंजाइश नहीं छोड़ी जानी चाहिए। वरना जेल की दीवारें इमरान खान को नहीं, पाकिस्तान की लोकतांत्रिक साख को घेरती दिखाई देंगी।

विश्व फोटोग्राफी दिवस

फोटोग्राफी के 200 वर्ष... एल्गोरिदम के दौर में दृष्टि और विशिष्ट सोच का संकट

आदित्य कुमार चौरसिया
फिल्म मेकर

फोटोग्राफी ने लगभग दो शताब्दियों में क्लिक से प्रॉम्प्ट्स तक की यात्रा तय की है। कैमरे से डिजिटल, स्मार्टफोन से कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी और अब जनरेटिव AI तक, दृश्य-सृजन की तकनीकी सीमाएँ लगभग समाप्त हो चुकी हैं। Images are the universal language, लेकिन जब image बनाना इतना आसान हो जाए, तब असली चुनौती यह नहीं रहती कि हम क्या बना सकते हैं, बल्कि यह कि हमारे पास कहने के लिए अपना क्या है।

सृजन आसान हुआ, विशिष्टता चुनौती हो गईः

AI Ùð perfect exposure, cinematic colour, complex compositions, retouching और generative imagery को कुछ clicks या prompts तक ला दिया है। यह लोकतंत्रीकरण आवश्यक है, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी हैः औसत दर्जे का सृजन अब बेहद आसान हो गया है। तकनीकी पूर्णता अब दुर्लभ नहीं रही, इसलिए केवल beautiful, cinematic या viral होना पर्याप्त नहीं है। जब हर कोई बना सकता है, तब विशिष्टता विचार, अनुभव और दृष्टि से आएगी।

Images की अधिकता, ideas की कमीः हमारी screens photographs, reels, shorts, thumbnails और AI visuals से भरी हैं। Reach तत्काल हो सकती है, लेकिन visibility और impact एक नहीं हैं। कुछ images scroll होकर गायब हो जाती हैं, कुछ भीतर ठहर जाती हैं। अंतर उनके resolution में नहीं, उनके पीछे की दृष्टि, विचार और भावना में है। इसलिए creator का उद्देश्य केवल attention हासिल करना नहीं, बल्कि दर्शक के भीतर संवेदना और संवाद पैदा करना होना चाहिए।

AI विकल्प बनाता है, कलाकार चयन करता हैः AI एक विचार से हजारों possibilities दे सकता है। लेकिन कलाकार वह नहीं जो हजारों विकल्प बनाता है; कलाकार वह है जो जानता है कि उनमें से 999 को क्यों छोड़ना है। यही creative judgement है। इसलिए भविष्य का रचनात्मक सूत्र केवल imagination नहीं, बल्कि Imagination + Observation + Selection + Meaning + Presentation है। आपने क्या देखा, क्या महसूस किया, क्या चुना और उसे किस तरह प्रस्तुत किया, यही आपकी visual language बनाता है।

तकनीक ने execution को democratise किया है, vision को नहीं: आज camera, editing, publishing और AI लगभग सभी के लिए उपलब्ध हैं। इसलिए उपकरण अब पहचान नहीं बनाते, दृष्टि बनाती है। Wildlife photographer का इंतजार, photojournalist का जोखिम और filmmaker का frame केवल technical execution नहीं, बल्कि observation, context, experience और संवेदना का परिणाम हैं। AI इन प्रक्रियाओं को तेज कर सकता है, लेकिन creator को अब भी तय करना होगाः क्या दिखाना है, क्यों दिखाना है और दर्शक को क्या महसूस कराना है।

Out-of-the-box नहीं, Out-of-the-template: आज अलग दिखने के लिए विचित्र होना भी एक formula बन सकता है। वास्तविक originality trend से अलग होने में नहीं, अपनी visual language विकसित करने में है। ऐसी भाषा जिसमें आपके अनुभव, प्रश्न, observation और दुनिया को देखने का आपका अपना तरीका दिखाई दे।

भाव का अभावः आज हमारे पास पहले से अधिक technology, images, distribution और creators हैं, फिर भी सबसे दुर्लभ चीज शायद वही है जिसे किसी camera specification में नहीं मापा जा सकताः संवेदना। Image का मूल्य केवल उसकी sharpness, cinematic quality या reach में नहीं है। असली प्रश्न हैः क्या उसने किसी मनुष्य के भीतर कुछ जगाया? कोई भावना, स्मृति, प्रश्न, असहमति, पहचान या संवाद। यहीं image, content से communication और communication से experience बनती है।

फोटोग्राफी का अगला युगः फोटोग्राफी की यात्रा Capture ? Digital ? Computation ? Generation तक आ चुकी है। अब चुनौती केवल creation की नहीं, meaning की है।

जब मशीन लगभग कुछ भी बना सकती है, तब मनुष्य की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह तय करना है कि क्या बनाना सार्थक है। क्योंकि भविष्य में सबसे मूल्यवान creator वह नहीं होगा जो सबसे अधिक images बना सके, बल्कि वह होगा जो ऐसी image बना सके जिसके सामने दर्शक कुछ क्षण रुके, कुछ महसूस करे, कुछ सोचे और अपने भीतर किसी अनदेखे हिस्से से संवाद करे। कैमरा बदल गया। क्लिक प्रॉम्प्ट में बदल गया। तकनीक बदल गई। लेकिन कला का मूल प्रश्न आज भी वही है। आपने क्या देखा, और उसे देखकर दुनिया को क्या महसूस कराया?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

तुलसीदास जयंती विशेष

धार्मिक चेतना के साथ भक्ति, संस्कृति को संवेदना में बदलने का उत्सव

लक्ष्मीकांत शर्मा
शिक्षक एवं लेखक

तुलसीदास जयंती सिर्फ कवि की जन्मतिथि की याद नहीं है; यह एक अवसर है कि भारतीय समाज का सांस्कृतिक आत्मबोध करें, जिसमें भाषा, लोकजीवन, भक्ति और मानवीय मर्यादा एक-दूसरे से जुड़े हैं। अपने काव्य में गोस्वामी तुलसीदास ने धर्म को केवल पूजा-पाठ तक नहीं सीमित रखा, बल्कि उसे आचरण, करुणा, उत्तरदायित्व और लोकमंगल से जोड़ा। इसलिए, मंदिरों और धार्मिक कार्यक्रमों तक सीमित रहने के बजाय उनकी जयंती एक सांस्कृतिक पर्व बन सकती है जो लोगों को धार्मिक चेतना देता है।

तुलसीदास ने सोलहवीं शताब्दी में उत्तर भारत में जन्म लिया, जहां राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता, जातिगत विभाजन और धार्मिक तनाव थे। उसकी जीवनी बातों पर विद्वानों के बीच मतभेद हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि उन्होंने अपने काव्य-दृष्टिकोण को साधना, जनसंपर्क और व्यक्तिगत अभाव से बनाया। वे शास्त्र-परंपरा से परिचित थे, लेकिन जनभाषा में ज्ञान देना उनकी सबसे बड़ी शक्ति थी। उन्हें अपने समय के आम लोगों की चिंताओं, आकांक्षाओं और नैतिक प्रश्नों को कथा और कविता में उतारा कि उनका साहित्य आम लोगों की जीवनशैली का एक अंग बन गया।

रामचरितमानस की भाषा सबसे महत्वपूर्ण है। तुलसीदास ने संस्कृत में प्रतिष्ठित रामकथा को अवधी में लिखकर ज्ञान और जनसामान्य के बीच खड़ी भाषा की दीवार को कम किया। यह सिर्फ भाषिक बदलाव नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक लोकतंत्रीकरण की एक बड़ी कोशिश भी थी। घरों, मंदिरों, मेलों, लोकनाट्यों और सामुदायिक पाठों में मानस की चौपाइयाँ गूंजती रहीं। इस ग्रंथ से पारिवारिक परंपरा, लोकगीतों की भावना, रामलीला की परंपरा तक प्रभावित हुई। तुलसीदास ने पुस्तकालय से साहित्य निकालकर चौपाल, आँगन और आम लोगों तक पहुँचाया।

तुलसीदास का भक्ति आंदोलन में योगदान भी इसी तरह है। भक्ति केवल भाव-विभोरता नहीं है; यह एक व्यक्ति को विनम्रता, अनुशासन और सेवा की चेतना भी देता है। ईश्वर से निकटता का मतलब मनुष्य से दूर रहना नहीं है, बल्कि उसके दर्द को समझना है। परहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाई की पंक्ति उनके मानवीय दृष्टिकोण का सार है। इसमें धर्म की कसौटी कर्मकांड नहीं है; बल्कि, यह दूसरों के हित और दर्द को समझने के लिए है। यही कारण है कि तुलसी की भक्ति लोकमंगल से जुड़ी हुई है और लोगों को अपने व्यवहार की जांच करने को प्रेरित करती है।

तुलसीदास के राम सिर्फ धार्मिक मानसिकता का प्रतीक नहीं हैं। वे धैर्य, मर्यादा, कर्तव्य और करुणा के आदर्श हैं। उनके चरित्र में अधिकार से अधिक जिम्मेदारी, जीत से अधिक नियंत्रण और सत्ता से अधिक जनहित पर बल है। भरत का त्याग, हनुमान की निस्वार्थ सेवा, शबरी की सहज श्रद्धा और केवट की आत्मीयता कथा को मानवीय संबंधों की कई परतों से भर देते हैं। इन घटनाओं का मूल्य यह है कि वे व्यक्ति की गरिमा को उसके भावों, कर्मों और चरित्र से नहीं, बल्कि उसके जन्म, पद और संपत्ति से जोड़ते हैं।

आज, हालांकि तकनीक में सुधार हो रहा है, लेकिन नैतिक असमंजस, सामाजिक विभाजन, आक्रामक भाषा, अहंकार और बढ़ती असंवेदनशीलता भी हैं। असहमति अक्सर द्वेष में बदल जाती है जब सार्वजनिक बहस होती है; सफलता की दौड़ में संबंध, नियंत्रण और उत्तरदायित्व खो जाते हैं। तुलसी साहित्य ऐसे वातावरण में हमें याद दिलाता है कि शक्ति का मूल्य तभी है जब वह नियंत्रित है; ज्ञान का मूल्य विनम्रता में है; और धर्म तभी जीवंत है, जब लोगों को दूसरों के प्रति दयालु बनाया जाता है। तुलसी का संदेश पलायन नहीं सिखाता; इसके बजाय, यह आपको अपने भीतर की अव्यवस्था को नियंत्रित करने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करता है। तुलसीदास को फिर से पढ़ने के लिए आलोचनात्मक विवेक भी आवश्यक है। प्रत्येक बड़ी रचना अपने काल की परिस्थितियों और सीमा से जुड़ी है। यही कारण है कि उनके लेखों को अनदेखा करके नहीं पढ़ना चाहिए, न ही कुछ विवादित पंक्तियों के आधार पर पूरी परंपरा को खारिज कर देना चाहिए। वर्तमान समय में न्याय, गरिमा और समानता के बारे में बातचीत करना और उनके साहित्य में निहित स्थायी मानवीय मूल्यों को समझना सही दृष्टिकोण होगा। रचनाकारों से प्रश्न पूछने और उनसे कुछ सीखने का साहस रखने वाले लोगों को सम्मान देना सही है। युवा पीढ़ी के लिए तुलसी साहित्य महत्वपूर्ण है। रामचरितमानस को तेज सूचना-प्रवाह और छोटे संदेशों की दुनिया में धैर्यपूर्वक पढ़ने का अवसर मिलता है; यह आपको कथा की नैतिक जटिलताओं को समझने और भाषा की लय को महसूस करने का अवसर देता है। यह युवाओं को बताता है कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नाम नहीं है, बल्कि कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता है; मित्रता सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में सहयोग करने की प्रतिज्ञा है; और सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है; यह भी समाज के प्रति कर्तव्य है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में तुलसी साहित्य को परीक्षा के पाठ के रूप में नहीं पढ़ाया जाना चाहिए; इसे भाषा, संस्कृति, नैतिक दर्शन और सामाजिक इतिहास का जीवंत स्रोत मानना चाहिए। तुलसीदास जयंती मनाने का सबसे अच्छा तरीका उनके मूल संदेश को व्यवहार में उतारना है, न कि पुष्पांजलि, शोभायात्रा या पाठ का आयोजन करना है। उनके साहित्य से व्यावहारिक शिक्षाएँ मिलती हैं, जैसे परिवार में चर्चा, समाज में सहिष्णुता, कमजोर के प्रति करुणा, सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और मतभेद का सम्मान। यदि हम जयंती के अवसर पर अपने शब्दों, व्यवहार और सामाजिक उत्तरदायित्व की ईमानदार समीक्षा कर सकें, तो यह आयोजन वास्तव में जीवंत हो जाएगा।

तुलसीदास एक ऐसे भारतीय कवि हैं जिन्होंने भक्ति को मानवता, भाषा को लोकचेतना और कथा को आत्ममंथन से जोड़ा। उन्हें याद करना हमें अतीत को गौरव देने से अधिक वर्तमान को बेहतर बनाने की प्रेरणा देता है। तुलसी की स्मृति उत्सव से आगे बढ़कर संस्कार बनेगी जब समाज विभाजन से ऊपर उठकर परहित, करुणा और मर्यादा को जीवन का आधार बनाएगा। इस उत्सव का असली संदेश है- मनुष्य को मानव से जोड़ना और संस्कृति को संवेदना में बदलना।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

तेज बुखार के साथ उल्टी के लक्षण, सतर्क हो जाएं, हो सकता है मेनिन्जाइटिस

मेनिन्जाइटिस एक ऐसी बीमारी है जिसे हल्के में लेना खतरनाक साबित हो सकता है। इसमें मस्तिष्क और स्पाइनल कॉर्ड को ढकने वाली झिल्लियों में सूजन आ जाती है। यह बीमारी वायरस, बैक्टीरिया, फंगस या अन्य सूक्ष्मजीवों के कारण हो सकती है। यदि इसका कारण बैक्टीरिया हो, तो कुछ घंटों के भीतर मरीज की हालत गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस कुछ घंटों में ही जानलेवा रूप ले सकता है, इसलिए इसे मेडिकल इमरजेंसी माना जाता है। समस्या यह है कि इसके शुरुआती लक्षण जैसे बुखार, सिरदर्द और कमजोरी अक्सर सामान्य वायरल फीवर जैसे लगते हैं, जिससे इलाज में देरी हो जाती है।

इसमें मस्तिष्क और स्पाइनल कॉर्ड को ढकने वाली झिल्लियों में सूजन आ जाती है। यदि इसका कारण बैक्टीरिया हो, तो कुछ घंटों के भीतर मरीज की हालत गंभीर हो सकती है। इसलिए समय पर पहचान और इलाज बेहद जरूरी है। WHO के अनुसार, दुनिया भर में हर साल लाखों लोग मेनिन्जाइटिस से प्रभावित होते हैं और समय पर उपचार न मिलने पर मृत्यु या स्थायी न्यूरोलॉजिकल नुकसान का खतरा बढ़ जाता है। सीडीसी के अनुसार बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस बहुत तेजी से फैलने वाला संक्रमण है। यह मस्तिष्क में सूजन बढ़ाकर सुनने की क्षमता कम कर सकता है, दौरे, कोमा और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकता है। कई मामलों में मरीज को लक्षण शुरू होने के 24 घंटे के भीतर गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए डॉक्टर बिना देरी किए एंटीबायोटिक उपचार शुरू करने की सलाह देते हैं। जल्दी इलाज शुरू करने से मृत्यु और गंभीर जटिलताओं का जोखिम काफी कम किया जा सकता है। यही कारण है कि मेनिन्जाइटिस को मेडिकल इमरजेंसी माना जाता है।

मैयोक्लीनिक के अनुसार मेनिन्जाइटिस की शुरुआत में तेज बुखार, लगातार सिरदर्द, शरीर में दर्द,थकान,उल्टी या मतली ठंड लगना जैसे लक्षणों को मौसमी वायरल बुखार मानकर लोग घर पर ही दवा लेते रहते हैं। लेकिन यदि इन लक्षणों के साथ गर्दन अकड़ने लगे या रोशनी से परेशानी होने लगे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। सीडीसी के अनुसार गर्दन का अकड़ जाना ,तेज सिरदर्द, रोशनी से परेशानी ,बार-बार उल्टी, भ्रम या बेहोशी, दौरे पड़ना, त्वचा पर बैंगनी या लाल चकत्ते विशेषकर मेनिंगोकोकल संक्रमण में दिखाई देने वाले चकत्ते जानलेवा संक्रमण का संकेत हो सकते हैं।

बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस में कुछ घंटों की देरी भी गंभीर जटिलताओं या मृत्यु का कारण बन सकती है। सही समय पर जांच, उचित उपचार और टीकाकरण इस बीमारी से बचाव और बेहतर परिणाम की कुंजी हैं। यदि किसी व्यक्ति में संदिग्ध लक्षण हों, तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या चिकित्सक से संपर्क करना सबसे सुरक्षित कदम है।

निशाना

अच्छे दिन

मनोज साहू 'निडर'

रसगुल्ला से मीठे-मीठे,
फैनी लच्छे अच्छे दिन।
पक जाएं फिर देंगे सबको,
अभी हैं कच्चे अच्छे दिन।
हल्ला-गुल्ला शोर-शराबा,
करते-करते आएँगे
चुपके-चुपके आ जाएँ तो,
होंगे टुच्चे अच्छे दिन।
अब तक तो इनको सड़कों पर,
जमकर दौड़ लगाना था
जाने क्यों बनकर बैठे हैं,
अब तक बच्चे अच्छे दिन।
पोस्टरों में दिखी तरक्की,
खूब हवा में नाच रही
लेकिन जनता ढूंढ रही है,
सच्चे-मुच्चे अच्छे दिन।
राह तके बैठे हैं सारे, आस लगाए लोग यहाँ
आते-आते दे जायें ना, सबको गच्चे अच्छे दिन।

यूजर्स गाइड

बत्ती गुल होने पर 8 घंटे बैकअप के साथ 50 फीसदी बिजली बचाएंगे बैटरी वाले पंखे

बिना किसी इनवर्टर के लाइट जाने के बाद भी पंखा लगभग 10 घंटे तक लगातार चलने की क्षमता रखने वाले इन-बिल्ट बैटरी स्मार्ट सीलिंग फैन भी मार्केट में मिलते हैं, जिनकी मदद से आप बिना इनवर्टर के भी लाइट जाने पर हवा खाना जारी रख सकते हैं। ये बैटरी वाले पंखे BLDC मोटर से लैस होते हैं और यही वजह है कि यह बैटरी पर 10 घंटे का बैकअप निकाल सकते हैं। इन पंखों की खासियत है कि ये आम तौर पर भी नॉर्मल पंखों से आधी बिजली इस्तेमाल करते हैं। आमतौर पर घरों में लगे पंखे AC करंट पर चलते हैं और इनमें इंडक्शन मोटर का इस्तेमाल होता है। यह मोटर ज्यादा बिजली खाती है। वहीं बैटरी वाले पंखे ब्रशलेस डायरेक्ट करंट यानी BLDC मोटर तकनीक का इस्तेमाल करते हैं।

इन पंखों में एक स्मार्ट चार्जिंग सर्किट और लिथियम आयन बैटरी पैक का इस्तेमाल होता है। जब तक बिजली आती रहती है ये पंखे काम भी करते रहते हैं और इनकी बैटरी लगातार चार्ज भी होती रहती है। वहीं बिजली जैसे ही कटती है ये पंखे तुरंत बैटरी मोड पर काम करने लगते हैं। ये आपको 8-10 घंटे का बैकअप निकाल कर दे सकते हैं। इससे आपको गर्मी की चिंता नहीं करनी पड़ती। जहां एक नॉर्मल पंखा 70-80 वॉट बिजली खाता है वहीं BLDC तकनीक पर चलने वाला बैटरी वाला पंखा सिर्फ 28-32 वॉट बिजली ही खाता है। इससे आपके बिल की बचत भी होती है।

बैटरी वाले पंखे उन लोगों के लिए सही हैं, जिनके यहां वोल्टेज काफी कम या ज्यादा होती है। इसके अलावा जहां इनवर्टर लगाना संभव नहीं है या लाइट कभी-कभी जाती है वे लोग भी इन पंखों के जरिए पावरबैकअप पा सकते हैं। अगर आप पंखों की बिजली की खपत को आधा करना चाहते हैं, तो भी BLDC पंखे खरीद सकते हैं।? बैटरी वाले पंखे आम पंखों के मुकाबले महंगे पड़ते हैं। जहां आपको एक आम पंखा 1500 से 2500 के बीच मिल जाता है। वहीं बैटरी वाले BLDC पंखे 4500 से 6500 रुपये के दायरे में आते हैं। यह कीमत एक आम पंखे के मुकाबले काफी ज्यादा लग सकती है लेकिन बैटरी बैकअप और पावर सेविंग ऑप्शन की बदौलत ये पैसा वसूल हो जाता है।

अजब - गजब

यहां सजता है पुराने आशिकों का बाजार! साल में एक बार होता है बिछड़ों का मिलन

वियतनाम के उत्तर में बसे पहाड़ी इलाकों में एक ऐसी अनोखी परंपरा है जो दुनिया भर के लोगों को हैरान कर देती है। यहां साल में सिर्फ एक बार एक बाजार लगता है, लेकिन यहां सामान बेचने या खरीदने की बजाय लोग अपने पुराने प्रेमियों से मिलने आते हैं। वियतनाम का प्रसिद्ध खौ वाई लव मार्केट या चो तिन्ह खौ वाई एक ऐसा स्थान है जहां बिछड़े हुए प्रेमी-प्रेमिकाएं साल में एक दिन एकत्रित होते हैं, पुरानी यादें शेयर करते हैं, गाने गाते हैं और फिर अपने वर्तमान जीवन में लौट जाते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि कई बार उनके वर्तमान पति या पत्नी भी उनके साथ होते हैं, लेकिन कोई जलन या झगड़ा नहीं होता।

यह परंपरा सम्मान, समझ और मानवीय भावनाओं का अनोखा उदाहरण है। यह बाजार वियतनाम के उत्तर में स्थित मेओ वाक जिले के खौ वाई कम्यून में लगता है। पहले यह हा जियांग प्रांत में था, लेकिन प्रशासनिक बदलावों के बाद अब यह तुयेन क्वांग प्रांत का हिस्सा है। यह क्षेत्र डोंग वान कार्स्ट पठार का हिस्सा है, जो यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क के रूप में जाना जाता है। यहां की पथरीली पहाड़ियां, घुमावदार रास्ते और हरे-भरे घाटियां इस मिलन को और भी रोमांचक बना देते हैं। हर साल तीसरे चंद्र मास की 27 तारीख को यह आयोजन होता है, जो आमतौर पर अप्रैल या मई के महीने में पड़ता है। पहले यह सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम था, लेकिन अब सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ यह दो से तीन दिन तक चलता है। इस अनोखे बाजार की शुरुआत लगभग 100 साल पहले, 1919 के आसपास मानी जाती है।

इसकी जड़ें एक दर्द भरी प्रेम कहानी से शुरू होती है। किंवदंती के अनुसार, नुंग जाति के एक युवक बा और गियाई जाति की युवती उत एक-दूसरे से गहरा प्यार करते थे। बा गरीब था लेकिन सुंदर, गाने और बांसुरी बजाने में माहिर था। उत किसी कबीले के सरदार की बेटी थी। दोनों अलग-अलग जातियों से थे और उनके रीति-रिवाज भी अलग थे। परिवारों ने उनके रिश्ते का विरोध किया। कुछ कहानियों में यह भी कहा जाता है कि दोनों कबीलों के बीच झगड़े शुरू हो गए और खून-खराबा होने लगा। प्रेमी जोड़े ने स्थिति को समझा और फैसला किया कि वे अलग हो जाएंगे ताकि और ज्यादा हिंसा ना हो। लेकिन उन्होंने एक वादा किया। हर साल तीसरे चंद्र मास की 27 तारीख को वे खौ वाई की घाटी में मिलेंगे, एक-दूसरे को गाने सुनाएंगे, साल भर की बातें साझा करेंगे और फिर अपने-अपने घर लौट जाएंगे। उन्होंने खून की कसम खाई। सालों तक वे इस वादे को निभाते रहे।

निसरपुर छात्रावास का मामला: निरीक्षण में हुआ खुलासा, 50 बेड की क्षमता वाले छात्रावास में करीब 140 छात्राओं को रखा गया था

खिड़की तोड़कर थाने पहुंचीं थी 140 छात्राएं, लापरवाही पर अधीक्षिका निलंबित

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के निसरपुर स्थित माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर में अव्यवस्थाओं से तंग आकर छात्राओं छात्रावास छोड़ दिया था। बीते दिनों रात भोजन की निम्न गुणवत्ता और गंभीर सुविधाओं के अभाव से परेशान होकर छात्राएं छात्रावास की खिड़की की जाली से निकल आईं और पैदल ही कुक्षी थाने पहुंच गईं थी।

50 बेड की क्षमता वाले छात्रावास में रहती थी 140 छात्राएं जांच में खुलासा हुआ कि मात्र 50 बेड की क्षमता वाले छात्रावास में करीब 140 छात्राओं को रखा गया था। उपलब्ध केवल 83 पलंगों के सहारे इतनी बड़ी संख्या में छात्राओं के रहने के कारण उन्हें बिस्तर और पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही थीं। अधीक्षिका निलंबित - कलेक्टर राजीव रंजन मीना द्वारा पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और अनुशासनहीनता के आरोप में रानी दुर्गावती शासकीय आवासीय कन्या परिसर की अधीक्षिका बबीता चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उनका निलंबन मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, डही तय किया गया है साथ ही मामले में माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य भरत नामदेव को भी तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया गया है। अंग्रेजी बालक छात्रावास शिफ्ट होगी छात्राएं घटना के बाद कुक्षी एसडीएम विशाल धाकड़ और जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त पारुल जैन सहित प्रशासनिक अमले ने निरीक्षण किया। प्रशासन ने निर्णय लिया है कि अंग्रेजी बालक छात्रावास के खाली पड़े 17 कमरों वाले भवन को व्यवस्थित कर एक सप्ताह के भीतर इस कन्या परिसर का संचालन वहां शुरू किया जाएगा।

न्यूज विंडो

आबकारी टीम का छापा, 6.56 लाख की शराब व लहान जब्त, 4 केस दर्ज

धार। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने के लिए आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मनावर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई है। विभाग की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर भारी मात्रा में कच्ची शराब और महुआ लहान जब्त किया है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देश एवं सहायक आबकारी आयुक्त दीपक अवस्थी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। कंट्रोलर व सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रशांत मण्डलोई तथा मनावर वृत्त के सहायक जिला आबकारी अधिकारी विवेक मिश्रा के नेतृत्व में टीम ने गुलाटी, कालाभाट, सिरसी और गांगली क्षेत्रों में अवैध शराब के अड्डों पर ताबड़तोड़ दबिश दी कार्रवाई के दौरान आबकारी टीम ने मौके से 110 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा व 6,400 किलोग्राम महुआ लहान को जप्त किया है। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 6,56,500 रुपए बताई गई है। मामले में म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत 03 प्रकरण तथा धारा 34(2) के तहत 01 गैर-जमानती प्रकरण दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजकुमारी मण्डलोई, आबकारी उपनिरीक्षक एकता सोनकर, रीनू भिंडे, अविनाश भूरिया, चेतन वेद, नारायण भवालकर सहित मनावर, कुक्षी, धरमपुरी एवं गंधवानी वृत्त के आबकारी स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही। विभाग का कहना है कि अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डंपिंग यार्ड के विरोध में उतरे युवा शिफ्ट करने की मांग हुई तेज

सतना। नगर निगम सतना द्वारा कृपालपुर-रामस्थान रोड पर कचरा डंप किए जाने के विरोध में क्षेत्र के नागरिकों ने सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस को ज्ञापन सौंपा। लोगों ने डंपिंग यार्ड को तत्काल हटाकर किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की। ज्ञापन में नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगर निगम का कचरा कृपालपुर-रामस्थान रोड पर डंप किया जा रहा है। इस मार्ग से प्रतिदिन करीब 50 गांवों के लोग आवागमन करते हैं। कचरे से दुर्गंध और मच्छरों की समस्या बढ़ गई है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र में बीमारी और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ने का भी दावा किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि खुले में कचरा फेंके जाने से स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कलेक्टर से डंपिंग यार्ड को तत्काल हटाकर किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की। अवनीश शुक्ला ने कहा कि सरकार स्वच्छता पर जोर दे रही है, जबकि नगर निगम की ओर से खुले में कचरा डंप किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इससे करीब 50 गांवों के किसानों, छात्रों और मरीजों को परेशानी हो रही है। युवा समाजसेवी लव कुश तिवारी ने कहा कि शहर में बदखर और सोनौरा के पास सरकारी जमीनें खाली पड़ी हैं। इन जमीनों का उपयोग कृषि कार्य के लिए नहीं किया जा रहा है। इन स्थानों पर डंपिंग यार्ड शिफ्ट करने के लिए पूर्व में कई बार सुझाव दिया जा चुका है, लेकिन अब तक इस पर अमल नहीं किया गया। वहीं, अमर तिवारी और धनंजय द्विवेदी ने कहा कि डंपिंग यार्ड का निर्माण गैर-कृषि भूमि पर किया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण आबादी और कृषि कार्य प्रभावित न हों। शिवम गौतम ने बताया कि सतना कलेक्टर ने इस मामले पर संज्ञान लिया है और समाधान का आश्वासन ग्रामीणों को दिया है।

ट्रक से 14 लाख रुपए की 281 पेटी अवैध शराब बरामद, दो गिरफ्तार

टीकमगढ़। शहर में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में बड़ागांव थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक आइसर ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने ट्रक से करीब 281 पेटी शराब जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने चालक और क्लीनर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बड़ागांव थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक आइसर ट्रक के जरिए बड़ी मात्रा में शराब का अवैध परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के नरोसा नाला के पास चेकिंग शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध आइसर ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस को ट्रक में छिपाकर रखी गई शराब की बड़ी खेप मिली। पुलिस ने शराब की पेटियों को कब्जे में लेकर ट्रक को भी जब्त कर लिया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक ट्रक में 281 पेटी शराब बरामद हुई है। जब्त शराब की कीमत करीब 14 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, शराब को ट्रक के केबिन में छिपाकर ले जाया जा रहा था, ताकि चेकिंग के दौरान पुलिस को इसकी जानकारी न हो सके। हालांकि पुलिस की सतर्कता के चलते शराब की खेप पकड़ ली गई। टीकमगढ़ एसडीओपी राहुल ने बताया कि शराब की यह खेप ग्वालियर से जबलपुर की ओर ले जाए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने ट्रक के चालक और क्लीनर को हिरासत में लिया है। दोनों से शराब के परिवहन और इसके पीछे जुड़े लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

अनाज मंडी में एसडीएम की अचानक दबिश से मचा हड़कंप

580 बोरी अनाज से भरे दो ट्रक जब्त सात लाख रुपए का माल पकड़ाया

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिले की सिरोंज कृषि उपज मंडी बीते दिन एक बड़ी कालाबाजारी का पर्दाफाश हुआ। एसडीएम की अचानक की गई कार्रवाई में 580 बोरी सरकारी गेहूं से भरे दो ट्रक पकड़े गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह गेहूं वर्ष 2022-23 की सरकारी खरीदी का है और इसे अवैध तरीके से बेचने की तैयारी चल रही थी।

जानकारी के मुताबिक सिरोंज मंडी स्थित एक निजी गल्ला फर्म के परिसर में एक ट्रक से दूसरे ट्रक में गेहूं शिफ्ट किया जा रहा था। इसी दौरान एसडीएम ओम नारायण बडकुल को सूचना मिली। उन्होंने तत्काल टीम के साथ दबिश देकर दोनों वाहनों को रोक लिया। मौके पर पहुंचे नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों ने बोरियों की जांच की। बोरियों पर लगी पैकिंग, टैग और मार्किंग देखकर पुष्टि हुई कि यह माल पूरी तरह सरकारी है। बताया जा रहा है कि यह गेहूं विदिशा जिले के शमशाबाद क्षेत्र की भगवानपुर सेवा सहकारी समिति से जुड़ा हुआ है। पूछताछ में ट्रक चालक वसीम खान ने बताया कि गेहूं शमशाबाद से लाया गया है और यह एक स्थानीय व्यापारी की फर्म का है। सूत्रों के अनुसार, संबंधित फर्म शमशाबाद नगर परिषद अध्यक्ष भारती माहेश्वरी के परिजन से जुड़ी बताई जा रही है। एसडीएम ने दोनों ट्रकों सहित 580 बोरी गेहूं को जब्त कर मंडी से एसडीएम कार्यालय परिसर में भिजवा दिया। जब्त गेहूं की बाजार कीमत करीब 7 लाख रुपये आंकी गई है। एसडीएम ने मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए हैं। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब मंडी में अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद अवैध लेनदेन की कोशिश की जा रही थी। एसडीएम की इस तत्परता से मंडी में हड़कंप मच गया। व्यापारियों और किसानों के बीच भी इस मामले को लेकर चर्चा तेज है।

दिग्विजय सिंह ने जताई आपत्ति

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ग्रामीणों द्वारा राशन के हक की आवाज उठाने के बाद प्रशासन हरकत में आया। कांग्रेस के संयुक्त सचिव सुरेंद्र रघुवंशी भी मौके पर पहुंचे और निष्पक्ष जांच की मांग की। नागरिक आपूर्ति अधिकारी ने मौके पर जांच के बाद बताया कि बोरियों की पहचान सरकारी स्टॉक से ही हुई है। अब पूरे लेनदेन का रिकॉर्ड और परिवहन के दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। एसडीएम ओम नारायण बडकुल ने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। शासकीय अनाज की कालाबाजारी प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ है। जांच पूरी होने के बाद आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं।

जिंदा महिला को रिकॉर्ड में बताया मृत, लाड़ली बहना समेत योजनाओं का लाभ बंद; सहायक पर कार्रवाई के निर्देश

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के सोहागपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत देवगवां, कटहरी निवासी रामवती सिंह को रोजगार सहायक ने सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित कर दिया। महिला का नाम समग्र पोर्टल से हटाए जाने के कारण वह खाद्य पोर्टल और लाड़ली बहना योजना समेत अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो गई। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में महिला ने कमिश्नर सुरभि गुप्ता से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

रामवती सिंह ने बताया कि 21 नवंबर 2024 को उन्हें मृत घोषित कर समग्र पोर्टल से नाम हटा दिया गया था। इसके बाद उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कमिश्नर ने संयुक्त आयुक्त विकास से मामले की जानकारी ली और जांच कर ग्राम पंचायत देवगवां के रोजगार सहायक की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश दिए। रामवती ने बताया कि वह पूर्व में भी इस मामले में कई बार अधिकारियों से मिलकर शिकायत कर चुकी हैं, लेकिन

किसी ने उनके मामले को गंभीरता से नहीं लिया। अब कमिश्नर ने मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की बात कही है। जनसुनवाई में जैतपुर तहसील के पैरीबहरा निवासी मनकामना कुशवाह ने पैतृक भूमि के सीमांकन में देरी और रिश्वत मांगने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि खसरा नंबर 359/1 के नक्शा तरमीम और सीमांकन के लिए करीब एक साल तीन माह पहले आवेदन किया था, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि तहसीलदार और पटवारी ने 10 हजार रुपये की मांग की। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया गया। कमिश्नर ने मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर शहडोल को दिए। जनसुनवाई में अन्य आवेदनों पर भी सुनवाई हुई। कमिश्नर ने अधिकारियों को शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

छिंदवाड़ा में प्रभारी प्राचार्य और अतिथि शिक्षक का वीडियो वायरल, छात्रों ने लगाए आरोप

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले से करीब 100 किलोमीटर दूर भूरा भगत क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिचबरी स्थित मिडिल स्कूल इन दिनों एक कथित वायरल वीडियो को लेकर चर्चा में है। वीडियो के आधार पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अतिथि शिक्षक दीपिका ठाकरे और प्रभारी प्राचार्य लोकेंद्र लोधी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रों का कहना है कि स्कूल में पढ़ाई के बजाय दोनों के बीच कथित तौर पर प्रेम संबंधों जैसी स्थिति दिखाई देती है। मामला सामने आने के बाद आयोजित जनसुनवाई में भी संबंधित शिक्षकों के खिलाफ शिकायत किए जाने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की जांच कराने और स्कूल में विद्यार्थियों के लिए उचित शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करने की मांग की है।

वायरल वीडियो और शिकायत में छात्रों द्वारा कथित रूप से कहा जा रहा है कि स्कूल में अतिथि शिक्षक और प्रभारी प्राचार्य के बीच आपत्तिजनक नजदीकियां रहती हैं। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया है कि दोनों स्कूल परिसर में एक-दूसरे के साथ निजी समय बिताते हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। छात्रों की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों के बीच भी मामले को लेकर नाराजगी बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि स्कूल में शिक्षक विद्यार्थियों के लिए अनुशासन और आदर्श व्यवहार का उदाहरण होते हैं। ऐसे में यदि वायरल वीडियो और शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह गंभीर मामला होगा। मामले को लेकर मंगलवार को जनसुनवाई में शिकायत किए जाने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ताओं ने अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही वायरल वीडियो की भी जांच कर वास्तविकता सामने लाने का अनुरोध किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि केवल वायरल वीडियो और छात्रों के आरोपों के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

मेट्रो एंकर साहित्यकार एवं शिक्षाविद् दिनकर कद्रे 'सजल' का किया सम्मान

बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं कद्रे: डॉ. जैन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर शहर की सामाजिक संस्थाओं स्व. नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान एवं मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन द्वारा शहर के वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद्, मानवतावादी चिंतक एवं लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में हिंदी साहित्य के प्राध्यापक दिनकर कद्रे 'सजल' का सम्मान किया गया।

कमलदीप अकादमी स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह में दिनकर कद्रे 'सजल' को शाल, श्रीफल, पुष्पमाला एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन के प्रांतीय संयोजक डॉ. ए.के. जैन ने कहा कि दिनकर कद्रे शहर के प्रेरक व्यक्तित्व हैं। वे प्राध्यापक होने के साथ-

साथ श्रेष्ठ साहित्य सृजक और बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व दधीचि की तरह समाज को शिक्षा, ज्ञान और प्रेरणा प्रदान करने वाला है। उन्होंने अपनी लेखनी और शिक्षण के माध्यम से युवा पीढ़ी को निरंतर दिशा देने का कार्य किया है। स्व. नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के संयोजक सुनील बाबू पिंगले ने कहा कि दिनकर कद्रे पिछले 35 वर्षों से शिक्षक, शिक्षाविद् एवं भाषाविद् के रूप में समाज की सेवा में निरंतर योगदान दे रहे हैं। लेखक, कवि एवं व्यंग्यकार के रूप में उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक एवं समसामयिक विषयों पर प्रभावशाली लेखन कर समाज में जागरूकता पैदा की है। वहीं अपने व्यंग्य और हास्य लेखन के माध्यम से लोगों को गुदगुदाने का कार्य भी किया है। उन्होंने कहा कि दिनकर कद्रे ने प्रदेश के बीना, सागर, इंदौर, भोपाल, सीहोर एवं विदिशा सहित विभिन्न क्षेत्रों में नगर का नाम गौरवान्वित किया है। समाज, कला, संगीत, साहित्य, संस्कृति, प्रकृति प्रेम और मानवता जैसे विषयों पर उनका सृजनात्मक योगदान निरंतर जारी है। कार्यक्रम में कमलदीप अकादमी के डायरेक्टर निर्मल जैन, मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन के जिलाध्यक्ष गणेश राम रघुवंशी, संस्था प्राचार्य सत्यम शर्मा सहित बड़ी संख्या में नागरिक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जिले के देवरी में नेशनल हाईवे-44 पर चीमाढाना के पास हुआ हादसा, देवरी पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी

चलते-चलते बंद हुई अर्टिगा, मैकेनिक लेने गए मालिक; लौटे तो जल चुकी थी कार

सागर। दोपहर मेट्रो

नेशनल हाईवे-44 पर ग्राम चीमाढाना के पास एक अर्टिगा कार में अचानक भीषण आग लग गई। जब तक कार मालिक मिस्त्री (मैकेनिक) को लेकर मौके पर पहुंचते, तब तक 7 लाख रुपये से अधिक कीमत की कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पहुंची देवरी पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, सागर जिले के देवरी नगर (संजय नगर) निवासी देवेंद्र साहू अपनी कार से सुबह करीब 4:25 बजे किसी जरूरी काम के सिलसिले में सागर की ओर जा रहे थे। देवरी से लगभग 11 किलोमीटर दूर चीमाढाना स्थित एक ढाबे के पास कार अचानक चलते-चलते बंद हो गई। देवेंद्र साहू ने कार को स्टार्ट करने का काफी प्रयास किया, लेकिन जब गाड़ी चालू नहीं हुई तो उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से कार को लॉक किया और हाईवे पर किसी अन्य वाहन से लिफ्ट लेकर मिस्त्री लेने देवरी नगर चले गए।

सुबह 9 बजे पहुंचे तो उड़े होश

देवरी से मैकेनिक को साथ लेकर जब देवेंद्र साहू सुबह करीब 9:00 बजे चीमाढाना पहुंचे, तो वहां का मंजर देखकर स्तब्ध रह गए। सड़क किनारे खड़ी उनकी अर्टिगा कार धू-धू कर पूरी तरह जल चुकी थी और केवल उसका ढांचा ही बचा था।

पुलिस कर रही कारणों की जांच

हादसे की सूचना मिलने के बाद डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पायलट दीपक पटेल ने बताया कि उन्हें करीब 10 बजे कार जलने की सूचना मिली थी, लेकिन मौके पर पहुंचने से पहले ही वाहन पूरी तरह खाक हो चुका था। मामले में देवरी थाना प्रभारी समरथ सीनम ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। कार में आग किन कारणों से लगी है। यह कोई तकनीकी खराबी (शॉर्ट सर्किट) है या अन्य कोई वजह पूरे मामले की वैज्ञानिक और निष्पक्ष जांच की जा रही है।

न्यूज विंडो

अनूपपुर में इनामी अपराधियों की ऑनलाइन डिलीवरी पर सवाल

अनूपपुर। जिले में ऑनलाइन डिलीवरी के काम से जुड़े कुछ ऐसे लोगों को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, जिनके संबंध में दावा किया जा रहा है कि राजस्थान पुलिस द्वारा उनके विरुद्ध इनाम घोषित है। यदि यह तथ्य सही है और संबंधित व्यक्ति वर्तमान में अनूपपुर जिले में रहकर ऑनलाइन पार्सल या डिलीवरी का कार्य कर रहे हैं, तो यह जिला पुलिस और प्रशासन की निगरानी व्यवस्था के लिए गंभीर सवाल खड़ा करता है। ऑनलाइन डिलीवरी का काम करने वाले कर्मचारियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों, घरों और प्रतिष्ठानों तक पहुंच मिलती है। ऐसे में यदि किसी व्यक्ति का आपराधिक रिकॉर्ड दूसरे राज्य में दर्ज है और उसके विरुद्ध इनाम घोषित है, तो उसके पुलिस सत्यापन, पहचान और वर्तमान गतिविधियों की जांच होना बेहद जरूरी है। अनूपपुर जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर जिले के विभिन्न पुलिस थानों और पुलिस अधिकारियों के संपर्क विवरण उपलब्ध हैं, जबकि राजस्थान पुलिस भी अपराध एवं आपराधिक सूचना तथा नागरिक सत्यापन जैसी सेवाएं संचालित करती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियां अपने डिलीवरी कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कर रही हैं क्या स्थानीय पुलिस के पास दूसरे राज्यों के इनामी अपराधियों की जानकारी पहुंचती है।

उज्जैन एमसीएच में दो साल बाद लिफ्ट चालू, मरीजों को राहत

उज्जैन। जिला अस्पताल की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य इकाई (एमसीएच) में गर्भवती महिलाओं, नवप्रसूताओं और गंभीर मरीजों को ऊपरी मंजिलों पर आने-जाने में अब होगी सुविधा। लिफ्ट के बंद होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को सीढ़ियों का उपयोग करना पड़ता था। रतलाम। अस्पताल आने वाली गर्भवती महिलाओं, नवप्रसूताओं और गंभीर मरीजों को ऊपरी मंजिलों तक आने-जाने में हो रही अत्यधिक असुविधा से अब बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि जिला अस्पताल की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य इकाई (एमसीएच) में पिछले दो वर्षों से बंद पड़ी मुख्य लिफ्ट को मरम्मत के बाद अब फिर से संचालित कर दिया है। लिफ्ट के बंद होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को सीढ़ियों का उपयोग करना पड़ता था, जो विशेषकर शारीरिक रूप से कमजोर और गंभीर रोगियों के लिए बेहद कष्टप्रद था। सिविल सर्जन एपी सिंह के निरंतर प्रयासों के चलते इस महत्वपूर्ण समस्या का तत्काल संज्ञान लिया गया। उनके निर्देश पर लिफ्ट की आवश्यक तकनीकी जांच की गई, सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया और समुचित रखरखाव कार्य पूर्ण करने के बाद इसे मरीजों व उनके परिजनों के लिए विधिवत शुरू कर दिया गया है। सिविल सर्जन एपी सिंह ने बताया कि कलेक्टर अजय कटेसरिया के मार्गदर्शन में यह कार्य संभव हो पाया है। उन्होंने स्वीकार किया कि लिफ्ट का लंबे समय से बंद रहना मरीजों के लिए बेहद कष्टदायी था, जिसे कलेक्टर के निर्देशन व सहयोग से सुचारु किया गया है। अस्पताल प्रबंधन ने भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए लिफ्ट के नियमित रखरखाव की स्थायी व्यवस्था की है।

कुत्ते का मुखौटा पहनकर कलेक्ट्रेट पहुंचा शख्स, बोला- 'साहब बचा लो'

खंडवा। इन दिनों मध्य प्रदेश के खंडवा शहर में आवारा कुत्तों की तेजी से बढ़ती संख्या और डॉग बाइट की घटनाओं ने शहरवासियों को दहशत में डाल दिया है। हालात ये हैं कि, यहां रोजाना दर्जनों लोग इन आवारा कुत्तों के काटे जाने का शिकार हो रहे हैं। इनमें अस्पताल पहुंचकर उपचार कराने वालों की संख्या में तेजी आई है। इस गंभीर मसले को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। दरअसल, नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर अपने साथ एक शख्स को कुत्ते का मुखौटा पहनाकर जनसुनवाई में लेरक पहुंचे। यहां उन्होंने न सिर्फ शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की संख्या और निगम द्वारा कराए जा रहे बधियाकरण कार्य में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर विभाग के दोषी अशरों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने एडीएम केआर बड़ोले और नगर निगम के अधिकारी संजय शुक्ला को शिकायती आवदेन दिया है। राठौर ने आरोप लगाया कि कुत्तों के बधियाकरण के नाम पर ठेकेदार के साथ मिलीभगत कर लाखों रुपए की राशि निकाल ली गई, लेकिन जमीन पर इसकी हकीकत साफ तौर पर दिखाई दे रही है। बधियाकरण कार्य सही तरीके से नहीं होने के कारण शहर में कुत्तों की आबादी घटने की बजाए तेजी से बढ़ गई है। इससे डॉग बाइट के मामले भी भी बढ़ गए।

गौ शालाएं सरकारी अनुदान हड़पने में लगीं, काले व भूरे रंग के मवेशी बन रहे हैं हादसों के कारण

स्टेट हाईवे और नगर की सड़कें बनी मवेशियों का आसरा, झुंडों में बैठे मवेशी बने ब्लैक स्पाट

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा में एक बहुत बड़ी गौशाला खुली है, इसके बाद ग्राम पंचायतों में गौ-शालाओं का संचालन किया जा रहा है, लेकिन नगर की निजी गौशाला दानदाताओं के दान सहित ग्रामीण गौ-शालाएं सरकारी अनुदान तक सीमित है। यह वास्तव में गौ-सेवा नहीं कर रही हैं, जिससे तेंदूखेड़ा नगर से हाईवे तक हर 10 किमी पर मवेशियों के झुंड सड़क पर बैठ रहे हैं, जो हादसों का प्रमुख कारण बन रहे हैं। सबसे ज्यादा स्टेट हाईवे 15 जबलपुर-दमोह रोड पर मवेशी देखे जा रहे हैं। दमोह-तारादेही मार्ग पर इन मवेशियों का झुंड बैठा हुआ नजर आ रहा हैं। इनकी वजह से प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रहीं हैं। इसमें न सिर्फ लोग घायल हो रहे हैं बल्कि मौतें भी सामने आ रही हैं। वाहन चालकों को वाहन निकालने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही रिमझिम बारिश की वजह से ये मवेशी नजर नहीं आने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। तेंदूखेड़ा नगर की मुख्य सड़कों पर भी मवेशियों का राज है, लेकिन नगर परिषद इस और कोई ध्यान नहीं दे रही है।

सड़क पर लावारिस हाल में बैठे मवेशी नगर की बड़ी प्रख्यात गौशाला सहित ग्राम पंचायतों की सरकारी गौ-शालाओं के औचित्य पर सवालियां निशान लगा रही है। निजी गौशाला दान व सरकारी गौशालाओं में अनुदान का बंदरबांट किया जा रहा है। जिससे कहीं अधूरी तो कहीं बनने के बाद भी शोपीस बनकर रह गई है। नतीजा गौवंश को गौशालाओं में भेजने की योजना सिर्फ कागजों तक सिमट कर रह गई है। जबलपुर और दमोह इन तीनों हाईवे पर प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। नगर की सड़कों से लोगों की आवाजाही होती है इन वाहनों के लिए

मवेशी मुसीबत बन गए है। नागरिकों द्वारा मुख्य बाजारों व चौराहों पर विचरण करने वाले पशुओं को हटाए जाने की शिकायतें स्थानीय प्रशासन से लगातार करते आ रहे हैं पर प्रशासन द्वारा मवेशियों को गौशाला भिजवाने या अन्य किसी स्थान पर व्यवस्थित करने के प्रति सजगता नहीं दिखाई है ये मवेशी जाम की वजह भी बन रहे हैं जो चिंता का विषय हैं। आवारा मवेशियों से मुख्य मार्गों पर क्या हालात है, ये जानने के लिए दो दिन हाईवे का जायजा लिया पाटन से तेजगढ़ तक 45 किमी चलने पर 6 स्थानों पर 250 से ज्यादा आवारा मवेशी विचरण करते मिले। यानी औसतन हर किमी में हाइवे पर कम से कम 12 से 13 मवेशी बैठ रहे है। इसी हाइवे पर कुछ जगहों पर स्थिति बेहद खराब है। वहां 1 से 2 दर्जन तक मवेशी झुंड में बैठे देखे जा सकते हैं। वैसे तो इन सभी मार्गो पर हमेशा ही आवारा मवेशियों का डेरा रहता है, लेकिन इस समय ग्रामीण क्षेत्रों से मवेशी भगाए जाने के बाद उक्त सभी मार्गों पर मवेशियों का डेरा है। वाहन चालक भरत रजक, जगदीश सेन, रोहित ठाकुर ने बताया कि रात के समय वाहन चलाना मतलब खतरा मोल लेना है। क्योंकि रात के वक्त जिन रास्तों पर मवेशी बैठते हैं, वहां से वाहन निकालना एक विकट समस्या होती है। यदि रिमझिम बारिश हो रही हो तो लाइटों में भूरे व काले रंग के मवेशी दिखाई नहीं देते हैं, यही मवेशी रात में हादसे का मुख्य कारण बनते हैं। यदि बड़े वाहन से टकराए तो मवेशी की मौत होती है, यदि बाइक सवार टकराया तो बाइक सवार या तो घायल होता है, या उसकी मृत्यु होती है।

इन मार्गों पर रहता है मवेशियों का झुंड

जबलपुर-पाटन मार्ग पर 27 मील पर सालभर मवेशी बैठे रहते हैं। दमोह मार्ग पर पांजी ग्राम और सांगा ग्राम मार्ग पर दमोह-तेजगढ़-अभाना मार्ग, रहली सागर-झालौन स्टेट हाईवे 15 पर, तेंदूखेड़ा नगर का तारादेही-चौराहा चौरई के पास व हाईस्कूल के पास विद्यानगर में देवरी, महाराजपुर, तारादेही, गौरझामर, झमरा सहित नरसिंहपुर और भोपाल जाने वाले मार्गों पर मवेशियों का झुंड नजर आ रहा है।

जुर्माना लगाने की कवायद भी फेल

बता दें कि सरकार द्वारा एक आदेश जारी किया गया था जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों सड़कों और खुले स्थानों पर मवेशियों व अन्य मवेशियों को छोड़ने पर पशु पालक पर 1 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाने कहा गया था। यह जुर्माना लगाने का अधिकार स्थानीय निकाय को दिया गया है। निकाय कर्मियों को पशु मालिक की पहचान करनी होगी। बताया जा रहा है कि यह पहचान पशुओं के कान पर लगे टैग से होगी। हालांकि जिले के अधिकांश पशुओं पर यह टैग नहीं लगे होने के कारण ऐसे मवेशियों की पहचान करना मुश्किल हो रहा है। गौर करने वाली बात ये है कि प्रशासन द्वारा आज तक इस ओर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

अमरकंटक में परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने सरकार पर साधा निशाना

वादों और जुमलों के बजाय जमीनी काम दिखाए सरकार, जनता सब देख रही है

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस राहुल प्रियंका सेना के महामंत्री परम धर्म सांसद शर्मा ने प्रदेश की वर्तमान सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार तरह-तरह की जुमलेबाजी और घोषणाओं के जरिए आम जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता को केवल चुनाव के समय जनता जनार्दन का ताज पहनाने के बजाय सरकार को अपने वादों और योजनाओं के वास्तविक परिणाम जमीन पर दिखाने चाहिए।

परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किए गए विभिन्न वादों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार उन वादों को पूरा करने में पूरी तरह असफल नजर आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आगामी चुनाव को देखते हुए तरह-तरह के वक्तव्य और घोषणाएं कर जनता को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता अब राजनीतिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर अच्छी तरह समझ चुकी है। महंगाई का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि आम आदमी लगातार बढ़ती महंगाई से परेशान है, जबकि सरकार मुफ्त योजनाओं के नाम पर प्रदेश को कर्ज के बोझ तले दबाकर राजनीतिक लाभ लेने में लगी हुई है। परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने कहा कि मध्यमवर्गीय परिवारों और कर्मचारियों पर आर्थिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। सरकार को ऐसी नीतियां बनानी चाहिए, जिनसे रोजगार के अवसर बढ़ें, आमदनी में वृद्धि हो और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत बने। अमरकंटक को स्मार्ट सिटी बनाए जाने की घोषणा को लेकर भी परम धर्म सांसद शर्मा ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा की पवित्र धरती अमरकंटक के विकास के लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। क्षेत्र में पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, सड़क, पेयजल, स्वच्छता, रोजगार और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए ठोस कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चुनावी वर्ष में जनता को तरह-तरह के सपने दिखाने के बजाय सरकार को अपने पुराने वादों का हिसाब देना चाहिए। प्रदेश की जनता अब सब कुछ देख और समझ रही है तथा आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी। परम धर्म सांसद शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता को धोखे में रखना बंद करे सरकार। जनता अब जुमलों और घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीनी काम से जवाब चाहती है। मां नर्मदा की धरती पर होने वाले हर वादे और हर घोषणा को जनता बारीकी से देख रही है।

हरियाली तीज: मनमोहक प्रस्तुति देकर मोहा मन

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

हरियाली तीज और स्वतंत्रता दिवस का अनूठा समन्वय इनर व्हील क्लब के द्वारा अध्यक्ष भारती ठाकुर की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में हरियाली तीज का आयोजन किया गया। साथ में स्वतंत्रता दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना से हुई। वेदिका पाठक ने मनोहर नृत्य प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। इसके बाद कार्यक्रम में मन् मुग्ध कर देने वाले गाने आकर्षक नृत्य और कई प्रकार के गेम हुए 1 मिनट गेम लकी गेम ने उत्साह भर दिया। सुमन साहू को क्लब का नया अध्यक्ष बनाया गया। डॉ. नेहा नेमा कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय राष्ट्रीय गान किया गया। कार्यक्रम का समापन करते हुए अध्यक्ष भारती ठाकुर ने सभी क्लब साथियों से सामाजिक कार्यों में एवं देश हित के लिए कार्य करने का आह्वान किया। क्लब में भारती ठाकुर, सुमन साहू ,अर्चना राय, मंजूषा सेन बिमला ठाकुर विंध्या तिवारी ज्योति नेमा, सुनीता राजपूत, सीमा स्थापक, रिंकी राय, रजनी राजोरिया, डॉक्टर नेहा नेमा, ज्योत्सना राय, प्रतिभा राय ,छाया मुड़िया, रेनू जायसवाल, आकांक्षा साहू, रानू अवधिया, पूनम धुर्वे ,डॉ अनुराधा साहू, शिल्पी मालिया, अंजलि साहू, उर्वशी पाठक, वंशिका चावला, प्रियंका जगदाले ,सुरुचि साहू ,रश्मि सलूजा निधि अरोरा, सोनाली राय ,तनु दुबे, रूबी चौकसे रितु अग्रवाल, रुक्मणी ढिमोले, लकी छाबरा, रेखा कौशल, रुचि गुप्ता, राजकुमारी पाठक ,अर्चना पटेल, नेहा सैनी, उमा साहू की उपस्थिति रही।

मेट्रो एंकर

नागचंद्रेश्वर मंदिर के पुल की मजबूती जांचने का वीडियो वायरल, ओवैसी ने व्यवस्थाओं पर कसा तंज

91 फीट ऊंचे पुल पर 300 जवानों ने 10 मिनट तक की जंपिंग, वीडियो ने बढ़ाई हलचल

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर में नागपंचमी पर दर्शन व्यवस्था से पहले 91 फीट लंबे लोहे के पुल की मजबूती जांच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में 300 से अधिक सुरक्षाकर्मी करीब 10 मिनट तक पुल पर एक साथ जंपिंग करते नजर आए। मंदिर समिति के अनुसार, यह प्रक्रिया श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। वीडियो वायरल होने के बाद एआइएमआइएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर तंज कसा, जिस पर उज्जैन-आलोट सांसद अनिल फिरोजिया ने पलटवार किया। ओवैसी ने वीडियो ट्वीट करते हुए उज्जैन की व्यवस्थाओं पर टिप्पणी की। इसके बाद सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि ओवैसी को उज्जैन की परिस्थितियों और व्यवस्थाओं की पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुल की हर तरह से टेस्टिंग कराई गई। कर्मचारियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया। यदि हजारों श्रद्धालु पुल से गुजरेंगे तो उस पर भार पड़ेगा, इसलिए पहले ही उसकी क्षमता जांचना जरूरी है।

दोनों ओर कराई जंपिंग

मंदिर समिति के अनुसार, नागपंचमी से पहले हर साल पुल की सुरक्षा जांच की जाती है। इस बार करीब 300 सुरक्षाकर्मियों को पुल के दोनों हिस्सों में अलग-अलग जंपिंग कराई गई। करीब 10 मिनट तक चले इस परीक्षण से पुल की मजबूती और भार वहन क्षमता जांची गई। पुल का सुरक्षा प्रमाण-पत्र लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी किया जाता है।

2022 में बना था पुल

नागचंद्रेश्वर मंदिर के लिए 91 फीट लंबे लोहे के पुल का निर्माण वर्ष 2022 में कराया गया था। 30 जून 2022 को केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ), रुड़की की अनुमति के बाद नया पुल तैयार किया गया। इसके बाद से हर नागपंचमी से पहले इसकी सुरक्षा जांच की जा रही है। गार्ड्स से जंपिंग कराकर मजबूती जांचने की प्रक्रिया पिछले दो-तीन वर्षों से अपनाई जा रही है।

हॉकी विश्व कप 2026 : आज देखने को मिलेगा हाईवोल्टेज मुकाबला

भारत-पाकिस्तान होंगे आमने-सामने, 10 हजार दर्शकों से खचाखच भरा रहेगा वागेनर स्टेडियम

एम्स्टेलवीन (नीदरलैंड्स), एजेंसी

हॉकी विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले का काउंटडाउन शुरू हो गया है। आज शाम 6.30 बजे दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने होंगे। इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले को लेकर दर्शकों में ऐसा जबरदस्त उत्साह है कि 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला वागेनर स्टेडियम पूरी तरह हाउसफुल हो चुका है। भारत-पाकिस्तान मुकाबले के सभी टिकट बिक गए हैं और अब मैदान में दोनों टीमों के समर्थकों का जोश देखने को मिलेगा।

टिकटों की बिक्री ने पहले ही बता दिया था मुकाबले का जुनून

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले को लेकर प्रशंसकों की दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टिकटों की ऑनलाइन बिक्री सितंबर 2025 से ही शुरू कर दी गई थी। रॉयल डच हॉकी एसोसिएशन (केएनएचबी) की संचार अधिकारी तमारा बोउवमन्स ने पीटीआई को बताया कि टिकट अलग-अलग चरणों में उपलब्ध कराए गए थे। पहला चरण सितंबर 2025 में शुरू हुआ था, जबकि दूसरा चरण इस साल मार्च में शुरू किया गया। टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से ही मुकाबले को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह बना रहा। भारत और पाकिस्तान के बीच हॉकी की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता के कारण विश्व कप के इस मुकाबले को टूर्नामेंट के सबसे बहुप्रतीक्षित मैचों में माना जा रहा है।

35 यूरो से शुरू हुई टिकट की कीमत

मुकाबले के लिए टिकटों की कई श्रेणियां उपलब्ध कराई गई थीं। गैर-डच मुकाबलों के लिए साउथ स्टैंड की टिकट की शुरुआती कीमत 35 यूरो यानी करीब चार हजार रुपये रखी गई थी। वहीं, कवर्ड मेन स्टैंड के डे टिकट की कीमत 57 यूरो यानी करीब छह हजार रुपये तक थी। दर्शकों के लिए हॉस्पिटैलिटी टिकट का विकल्प भी मौजूद था। इसकी कीमत 251.34 यूरो यानी करीब 28 हजार रुपये रखी गई थी। अलग-अलग श्रेणियों में टिकट उपलब्ध होने के बावजूद भारत-पाकिस्तान मुकाबले की मांग इतनी अधिक रही कि सभी टिकट बिक गए।

भारतीय और पाकिस्तानी प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह

भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत का रोमांच सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है। नीदरलैंड्स में रहने वाले भारतीय और पाकिस्तानी मूल के लोगों के बीच भी मुकाबले को लेकर जबरदस्त उत्साह है। भारतीय परिवार इस मुकाबले को स्टेडियम में बैठकर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

नीदरलैंड्स के मुकाबलों में भी खचाखच भरा था स्टेडियम

वागेनर स्टेडियम इस टूर्नामेंट के दौरान पहले भी दर्शकों से पूरी तरह भर चुका है। सह-मेजबान नीदरलैंड्स की टीम के मुकाबलों के लिए भी सभी टिकट बिक चुके थे। अब भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत ने एक बार फिर स्टेडियम में रोमांच और उत्साह का माहौल बना दिया है। केएनएचबी की ओर से बताया गया कि यदि ग्रुप चरण के किसी दिन के सभी टिकट बिक जाते हैं तो टिकटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से हाफ-डे पास उपलब्ध कराए जाते हैं। इन पास के जरिए दर्शक उस दिन होने वाले सभी मुकाबले देख सकते हैं। हालांकि, इसमें नीदरलैंड्स की टीम का मुकाबला शामिल नहीं होता।

10 हजार दर्शकों के बीच होगी कांटे की टक्कर

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला यह मुकाबला अब सिर्फ दो टीमों की भिड़ंत नहीं रह गया है। मैदान में मौजूद 10 हजार दर्शकों का शोर और दोनों देशों के समर्थकों का जुनून मुकाबले का रोमांच कई गुना बढ़ाने वाला है। भारत और पाकिस्तान के प्रशंसकों के अलावा नीदरलैंड्स में रहने वाले हॉकी प्रेमियों की निगाहें भी इस मुकाबले पर टिकी हैं। वागेनर स्टेडियम पूरी तरह तैयार है और टिकटों की बिक्री ने मुकाबले की लोकप्रियता पर मुहर लगा दी है। अब इंतजार सिर्फ उस पल का है, जब दोनों टीमें मैदान पर उतरेंगी और हॉकी के मैदान पर एक बार फिर भारत-पाकिस्तान की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता देखने को मिलेगी। स्टेडियम में दर्शकों की मौजूदगी और दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर इसे विश्व कप के सबसे यादगार मुकाबलों में शामिल कर सकती है।

टी20 के तूफान को रेड बॉल का सबक..

युवा वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी के लिए ली 6 दिन की स्पेशल क्लास

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 क्रिकेट में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से तहलका मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब रेड बॉल क्रिकेट की परीक्षा के लिए तैयार हैं। आईपीएल में शतक जड़ चुके इस युवा बल्लेबाज का अगला बड़ा इम्तिहान दलीप ट्रॉफी में होगा। जो 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू हो रही है। इसके लिए वैभव ने अपनी बल्लेबाजी में जरूरी बदलाव शुरू कर दिए हैं और चार-पांच दिन के क्रिकेट की जरूरतों के मुताबिक खुद को ढालने पर काम कर रहे हैं। इसी तैयारी के तहत वैभव ने अपने बचपन के कोच मनीष ओझा को खास तौर पर नागपुर स्थित राजस्थान रॉयल्स की एकेडमी में बुलाया। ओझा ने करीब छह दिनों तक वैभव के साथ ट्रेनिंग की और इस दौरान सबसे ज्यादा जोर लंबे समय तक बल्लेबाजी करने की मानसिकता विकसित करने पर रहा। मनीष ओझा ने एबीपी न्यूज से खास बातचीत में वैभव की इस तैयारी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि टी20 में वैभव का अलग रौब है, लेकिन अब भारतीय टीम मैनेजमेंट भी उन्हें रेड बॉल क्रिकेट में देख रहा है।

वैभव ने खुद कोच को बुलाया

मनीष ओझा के मुताबिक, उन्हें राजस्थान रॉयल्स की ओर से नहीं, बल्कि खुद वैभव सूर्यवंशी ने बुलाया था। वैभव ने अपनी इच्छा जताई कि उनके बचपन के कोच को पटना से नागपुर बुलाया जाए, ताकि वह रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी में उनकी मदद कर सकें।ओझा ने बताया कि इसके पीछे एक बड़ी वजह दोनों के बीच पुराना तालमेल भी है। बचपन से साथ काम करने के कारण वैभव उनके सामने ज्यादा सहज रहते हैं। एक कोच जो खिलाड़ी के साथ शुरुआती वर्षों से जुड़ा हो, वह उसकी कमजोरियों और खूबियों को अच्छी तरह समझता है। वैभव और ओझा के बीच भी यही कनेक्शन है। ओझा ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान सिर्फ तकनीक पर काम नहीं हुआ, बल्कि वैभव को चार और पांच दिन के मैच की मानसिकता के लिए भी तैयार किया गया।

गॉल टेस्ट में शुभमन एक्सपोज! दोनों पारियों में जयसूर्या के चक्रव्यूह में फंसे

गॉल, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच गॉल में दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला जारी है। श्रीलंका ने पहली पारी में खेलते हुए 284/10 का स्कोर बनाया। जवाब में भारतीय टीम पहली पारी में 462/10 का स्कोर बनाकर ऑलआउट हो गई। मंगलवार को टेस्ट मैच का चौथा दिन रहा। भारतीय टीम दूसरी पारी खेल रही थी। दूसरी पारी में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में महज 8 रन बनाकर प्रभात जयसूर्या की गेंद पर एलबीडब्लू हो गए। गिल ने अपनी पारी में 20 गेंदों का सामना किया और 8 रन बनाए।

गौर करने वाली बात यह है कि कप्तान गिल भारतीय टीम की पहली पारी में भी कोई खास योगदान नहीं कर सके थे और तब भी वो प्रभात जयसूर्या की गेंद पर आउट हुए थे। प्रभात ने उनको अपनी फिरकी में फंसाया और लाहिरु उडारा इगालागामागे ने कैच पकड़ लिया। गिल ने उस पहली पारी में 28 गेंदों पर 16 रन बनाए। गिल ने दोनों पारियों में 24 रन बनाए। वैसे देखा जाए तो गिल को स्पिन का शानदार खिलाड़ी माना जाता है, लेकिन वह प्रभात जयसूर्या के सामने दोनों ही पारियों में बेबस दिखे हैं। अब गिल को कोलंबो में 23 अगस्त से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में खुद को साबित करना होगा। हार्दिक के गुजरात लौटने की चर्चा ऐसे समय सामने आई है जब मुंबई इंडियंस में उनकी भूमिका और कप्तानी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। 2026 के आईपीएल सीजन में मुंबई का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप-चेन और यामागुची दूसरे राउंड में पहुंचीं

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफेई और मौजूदा चैंपियन जापान की अकाने यामागुची, दोनों मंगलवार को नई दिल्ली में जारी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के विमेंस सिंगल्स के दूसरे राउंड में पहुंच गईं। चौथी वरीयता प्राप्त चेन ने पहला गेम हारने के बाद वापसी करते हुए

हांगकांग, चीन की लो सिन यान हैप्पी को 18-21, 21-8, 21-11 से हराया। की रिपोर्ट के अनुसार, चेन का अगला मुकाबला यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा से होगा, जिन्होंने यूएई की प्रकृति भरत को 21-13, 20-22, 21-14 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त यामागुची ने वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह को आसानी से 21-12, 21-10 से हराया, जबकि उनकी हमवतन नोजोमी ओकुहारा ने तुर्की की ओजगे बायराक पर 2-1 से जीत हासिल की। पुरुष वर्ग में, इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी ने जर्मनी के मैथियास किक्लिट्ज को सीधे गेम में हराया, जबकि फ्रांस के पांचवीं वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव को जापान के केंटा निशिमोटो ने 21-17, 21-19 से चौंकाते हुए हराया।

सेरेना -वीनस विलियम्स को युगल में वापसी पर मिली हार, ज्वेरेव-जोडर अंतिम 16 में पहुंचे

सिनसिनाटी , एजेंसी

सेरेना और वीनस विलियम्स ने 2022 में यूएस ओपन के बाद अपना पहला युगल मैच एक साथ खेला, लेकिन उन्हें सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विलियम्स बहनों ने वापसी पर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन आखिर में वे मार्टा कोस्त्युक और पेटन स्टर्न्स से 2-6, 6-1 (10-8) से एक रोमांचक मुकाबले में हार गईं।

दोनों बहनें मैच के टाईब्रेकर में 6-0 से पिछड़ने के बाद लगभग वापसी करने ही वाली थीं, लेकिन वीनस विलियम्स के एक डबल-फॉल्ट ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सेरेना ने मैच के बाद कहा, मुझे बहुत मजा आया। यह बहुत खास था। मैच के बीच में थोड़ी सुस्ती आई और फिर धीरे-धीरे लय आने लगी। मैं यहां टूर्नामेंट जीतने के लिए नहीं आई थी। जीतना ज़ाहिर तौर पर बहुत अच्छा होता है, लेकिन इस स्थिति में बस मज़ा आ रहा था।

दोबारा ऐसा कर पाना वाकई बहुत बढ़िया था।

सेरेना 2022 से टूर से बाहर थीं और उन्होंने 44 साल की उम्र में इस सत्र में वापसी की थी। दोनों बहनों ने विंबलडन में एक साथ खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन एकल मैच हारने के दौरान सेरेना के घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ा। सिनसिनाटी में उन्हें वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला था। 46 वर्षीय वीनस ने कहा, इतने लंबे समय बाद हम पहली बार एक साथ खेल रहे हैं। यह वास्तव में बहुत अच्छा अनुभव रहा। वीनस और सेरेना ने 14 ग्रैंडस्लैम युगल खिताब और कुल मिलाकर 22 खिताब जीते हैं। सेरेना ने 23 एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। वीनस ने सात खिताब जीते हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

शोहरत से पहले अमिताभ ने झेला तिरस्कार बिग बी ने सुनाया संघर्ष के दिनों का किस्सा

आज सदी के महानायक के रूप में पहचाने जाने वाले अमिताभ बच्चन के लिए फिल्मी दुनिया में अपनी जगह बनाना कभी आसान नहीं था। अपने लंबे अभिनय सफर में उन्होंने शोहरत के साथ संघर्ष और अस्वीकृति का दौर भी देखा। हाल ही में 'कौन बनेगा करोड़पति' के 18वें सीजन के विशेष कार्यक्रम में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों की ऐसी ही यादें साझा कीं।

'तुम्हें अभिनय आता ही नहीं'

सामान्य तौर पर कलाकारों और खिलाड़ियों के संघर्ष की तुलना करते हुए एक प्रतिभागी ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि क्या कलाकारों को भी काम के दौरान निर्देशकों की डांट सुननी पड़ती है। इस पर अमिताभ ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि उस दौर में उन्हें अक्सर कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ता था। लोगों की ओर से यहां तक कहा जाता था कि उन्हें अभिनय नहीं आता और वह बहुत लंबे हैं, इसलिए उन्हें अपने घर लौट जाना चाहिए। महानायक के मुताबिक, ये टिप्पणियां उनके संघर्ष के दिनों का हिस्सा थीं। हालांकि उन्होंने आलोचनाओं को अपने रास्ते की दीवार नहीं बनने दिया और लगातार काम की तलाश में जुटे रहे। अमिताभ ने यह भी बताया कि काम मिलने के बाद भी मुश्किलें खत्म नहीं हुईं। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार वह फिल्म के सेट पर पहुंचने में देर से हो गए थे। उनके मुताबिक, उस समय उनके पास अपनी गाड़ी नहीं थी और वह किसी दूसरे की गाड़ी से सेट पर पहुंचे। वहां निर्देशक पहले से बाहर खड़े थे। अमिताभ के पहुंचते ही निर्देशक ने उन्हें फिल्म से निकाल दिया।

आवाज से शुरू हुआ था सिनेमा का सफर

अमिताभ बच्चन पांच दशक से अधिक समय से भारतीय सिनेमा का हिस्सा हैं। अभिनय की दुनिया में पूरी तरह स्थापित होने से पहले उन्होंने आवाज देने वाले कलाकार के रूप में भी काम किया था। वर्ष 1969 में उन्होंने मृणाल सेन की फिल्म 'भुवन शोम' में अपनी दमदार आवाज दी थी। आगे चलकर यही आवाज, अभिनय और व्यक्तित्व उनकी सबसे बड़ी पहचान बने। आज करोड़ों प्रशंसकों के दिलों पर राज करने वाले अमिताभ बच्चन की कहानी यही बताती है कि अस्वीकृति अंत नहीं, बल्कि बड़ी सफलता की शुरुआत भी हो सकती है।

अगर देश से प्यार करना अंधभक्ति है तो मुझे गर्व है, आलोचकों पर बरसीं ईशा कोप्पिकर

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने उन्हें दिए गए अंधभक्त टैग पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना और उस पर विश्वास करना अंधभक्ति कहलाता है, तो उन्हें इस लेबल को अपनाने में गर्व है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह देशभक्ति, राष्ट्रवाद और देश के लिए कुछ करने की जरूरत पर बात करती नजर आईं। अभिनेत्री ने कहा, अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए। लेकिन मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है।

ईशा ने कहा, इंसान जहां रहता है, उसे उस जगह का सम्मान करना चाहिए और उसे बेहतर बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। सिर्फ यह कह देना कि हमें अपने देश से प्यार है, देशभक्ति नहीं है। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे। अभिनेत्री ने बच्चों का उदाहरण देते हुए आगे कहा, दो तरह के बच्चे होते हैं। एक बच्चा ऐसा होता है जो पूरी जिंदगी यह हिसाब लगाता रहता है कि उसके माता-पिता ने उसे क्या दिया

और क्या नहीं दिया। वहीं दूसरा बच्चा ऐसा होता है जो माता-पिता से मिलने वाली चीजों को सिर्फ अपने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उससे अपने माता-पिता की जिंदगी को भी बेहतर बनाने की कोशिश करता है। ईशा ने कहा, दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं।

मेट्रो बाजार

चीन से बाहर पिक्सल उत्पादन शिफ्ट करने की तैयारी में गूगल

नई दिल्ली । अमेरिका और चीन के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव तथा वैश्विक सप्लाई चेन में विविधीकरण की रणनीति के तहत अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल अपने पिक्सल स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स के उत्पादन को चीन से बाहर स्थानांतरित करने की योजना पर काम कर रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य 2027 तक पिक्सल उत्पादों का पूरा उत्पादन चीन से बाहर ले जाना है। निक्केई एशिया की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि गूगल ने पिछले कुछ वर्षों में वियतनाम और भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार किया है और अब उसे भरोसा है कि वह 2027 तक पिक्सल डिवाइसों का संपूर्ण उत्पादन चीन से बाहर स्थानांतरित कर सकती है। हालांकि वर्तमान में गूगल के उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अब भी चीन में होता है, लेकिन कंपनी ने इस वर्ष वियतनाम में अपने प्रीमियम पिक्सल स्मार्टफोनों के सफल विकास और उत्पादन के बाद अगला कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाई-एंड स्मार्टफोन का निर्माण स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स की तुलना में अधिक जटिल होता है, इसलिए पिक्सल स्मार्टफोनों का सफल उत्पादन स्थानांतरण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। यदि यह रणनीति सफल रहती है, तो सैमसंग के बाद गूगल दुनिया की दूसरी बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन जाएगी, जिसने अपने स्मार्टफोन उत्पादन को पूरी तरह चीन से बाहर स्थानांतरित कर दिया हो। रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के लिए यह बदलाव अपेक्षाकृत आसान हो सकता है क्योंकि कंपनी चीन में पिक्सल स्मार्टफोन नहीं बेचती।

नारियल उत्पादन में भारत सबसे आगे, वैश्विक स्तर पर हिस्सेदारी 31 प्रतिशत से अधिक

नई दिल्ली भारत वैश्विक स्तर पर नारियल उत्पादन में 31.24 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ पहले और खेती के क्षेत्रफल के मामले में 17.90 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। यह जानकारी एक आधिकारिक फैक्टशीट में मंगलवार को दी गई। भारत ने 2024-25 के दौरान 2.19 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र से 20,301 मिलियन से अधिक नारियल का उत्पादन किया। इस दौरान औसत उत्पादकता 9,249 नारियल प्रति हेक्टेयर रही।2025-26 में बागानों की स्थापना और रखरखाव के लिए 632.77 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिससे दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिली। बयान में कहा गया कि 2024-25 के दौरान 2,979 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को नई नारियल खेती के तहत लाने के लिए करीब 209.24 लाख का उपयोग किया गया। इस पहल से देश के विभिन्न राज्यों के 13,068 किसानों को लाभ मिला।

देश में केरलम में नारियल की खेती का सबसे बड़ा क्षेत्र है, जो करीब 7.54 लाख हेक्टेयर में फैला है और यहां लगभग 5,149.87 मिलियन नारियल का उत्पादन होता है। नारियल उत्पादन में तमिलनाडु सबसे आगे है, जबकि उत्पादकता के मामले में आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर है। इसके बाद पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु का स्थान है। भारत का निर्यात पोर्टफोलियो पारंपरिक उत्पादों से आगे बढ़कर वर्जिन नारियल तेल, नारियल दूध और एक्टिवेटेड कार्बन जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों तक विस्तारित हुआ है। बयान के अनुसार, सरकार मुख्य रूप से नारियल विकास बोर्ड के माध्यम से नारियल क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। 2025-26 में सीडीबी की गतिविधियों के लिए 147.21 करोड़ रुपए जारी किए गए। केंद्रीय बजट 2026-27 में स्थिरता, निर्यात और किसानों की आय को मजबूत करने के लिए नारियल संवर्धन योजना भी शुरू की गई।

पिघल रहे ग्लेशियर... 1.5 अरब लोगों पर संकट

हिमालयी क्षेत्रों के लिए वैज्ञानिकों का बड़ा अलर्ट

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन का असर अब भारतीय हिमालयी क्षेत्रों में अलग-अलग तरीकों से खुलकर सामने आने लगा है। हाल ही में 'जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस' में प्रकाशित एक शोध अध्ययन में यह चिंताजनक सच उजागर हुआ है कि मध्य और पूर्वी हिमालय की तुलना में पश्चिमी हिमालय—जिसमें लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं- बहुत तेजी से गर्म हो रहा है। अध्ययन के अनुसार, यदि वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी नहीं की गई, तो इस सदी के अंत तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र अपनी मौसमी बर्फ का एक बड़ा हिस्सा खो सकता है। यह अध्ययन बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान पुणे और अशोका यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।शोधकर्ताओं ने 1901 से 2020 तक के 120 वर्षों के वास्तविक तापमान आंकड़ों का विश्लेषण किया और आठ वैश्विक जलवायु मॉडलों के आधार पर वर्ष 2100 तक के संभावित परिदृश्यों का आकलन किया है। पूरे भारतीय हिमालयी क्षेत्र को तीन भागों—पश्चिमी, मध्य (उत्तराखंड) और पूर्वी (सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश व पूर्वोत्तर)—में बांटकर अध्ययन किया गया।

विनोद तावड़े तैयार कर रहे रिपोर्ट कार्ड, एंटी-इनकंबेंसी काटने की रणनीति

यूपी में 200 विधायकों पर गिरेगी गाज! 2027 से पहले बीजेपी का ऑपरेशन क्लीन

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के साथ भाजपा ने सबसे बड़ा दांव अपने ही विधायकों पर लगाने की तैयारी कर ली है। पार्टी के अंदरूनी आकलन में बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के खिलाफ नाराजगी सामने आने के बाद करीब 200 सीटिंग विधायकों के टिकट काटे जाने की चर्चा है। हालांकि अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है, लेकिन पार्टी नेतृत्व का फोकस साफ है—जिस विधायक की जमीन कमजोर है, उसके नाम पर चुनावी जोखिम नहीं लिया जाएगा।

भाजपा की इस कवायद के केंद्र में प्रदेश के नए प्रभारी विनोद तावड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक तावड़े औपचारिक रूप से प्रभारी बनाए जाने से पहले भी लंबे समय से उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन को समझने में जुटे थे। अब विधायकों के प्रदर्शन, क्षेत्र में उनकी पकड़, जनता की नाराजगी और संगठन से उनके तालमेल को लेकर रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

सांसदों की नाराजगी का खामियाजा भुगत चुकी है भाजपा

भाजपा के लिए 2024 का लोकसभा चुनाव चेतावनी बन चुका है। उत्तर प्रदेश में पार्टी को कई सीटों पर स्थानीय सांसदों के खिलाफ नाराजगी का नुकसान उठाना पड़ा। मतदाताओं के बीच यह धारणा सामने आई कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के काम से संतुष्टि होने के बावजूद कई सांसद क्षेत्र में अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे।इसी का परिणाम रहा कि सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटें जीतकर विपक्षी गठबंधन को 43 सीटें दिलाईं। भाजपा को इस झटके ने विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति बदलने पर मजबूर किया है। पार्टी अब स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रदर्शन को ज्यादा गंभीरता से परखना चाहती है।

मोदी-योगी के नाम पर निर्भर रहने वालों की मुश्किल

पार्टी के आंतरिक आकलन में सामने आया है कि कई विधायकों के खिलाफ क्षेत्र में नाराजगी है। शिकायत यह है कि चुनाव जीतने के बाद अनेक विधायक जनता से कट गए और विकास कार्यों तथा स्थानीय समस्याओं पर उनकी सक्रियता अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही। इसके उलट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता को लेकर पार्टी के पक्ष में अब भी मजबूत धारणा है।यही अंतर भाजपा की चिंता बढ़ा रहा है। पार्टी नहीं चाहती कि मोदी-योगी के नाम की लोकप्रियता का लाभ उठाकर कमजोर स्थानीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरें और बाद में वही पार्टी के लिए बोझ बन जाएं।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी संकेत दिया है कि बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के टिकट बदल सकते हैं। एक हिंदी दैनिक को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि हर चुनाव में कई विधायकों के टिकट कटते हैं और नए लोगों को मौका मिलता है। हालांकि किसका टिकट कटेगा और किसे मौका मिलेगा, इसका फैसला वे या प्रदेश भाजपा नहीं करती।मौर्य ने यह भी कहा कि 2017 जैसी जीत हासिल करने के लिए पार्टी स्तर पर जो भी फैसले जरूरी होंगे, वे लिए जाएंगे।

विपक्ष पर भी निशाना

मौर्य बोले—पीडीए का असर खत्म, सपा-कांग्रेस का गठजोड़ भी नहीं बचाएगा

केशव प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण को भी निशाने पर लिया। उनका दावा है कि पीडीए का राजनीतिक प्रभाव कमजोर हो चुका है और अखिलेश यादव खुद इसकी परिभाषा बदलते रहते हैं। सपा-कांग्रेस गठबंधन को लेकर उन्होंने 2017 का उदाहरण देते हुए कहा कि दोनों दल तब भी साथ आए थे, लेकिन भाजपा की जीत को नहीं रोक पाए थे।भाजपा के लिए 2027 का चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर चल रही है। ऐसे में 200 के आसपास मौजूदा विधायकों के टिकट बदलने की चर्चा केवल उम्मीदवार बदलने की कवायद नहीं, बल्कि दस साल की सत्ता से पैदा हुई संभावित एंटी-इनकंबेंसी को काटने का प्रयास है। अगले कुछ महीनों में तावड़े की रिपोर्ट और पार्टी के सर्वे यह तय करने में अहम होंगे कि किन चेहरों पर भाजपा फिर दांव लगाएगी और किन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

दूल्हे और उसके भाई की हो गई थी मौत

एक्स की शादी में 'गिफ्ट बम', आरोपी को उम्रकैद

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम की एक अदालत ने गिफ्ट बम से हत्या के एक चौंकाने वाले मामले में 33 साल के व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उसने शादी में तोहफे के तौर पर होम थिएटर में छिपाकर विस्फोटक दिया था, जिससे दूल्हे और उसके भाई की ब्लास्ट में मौत हो गई थी।

अभियोजन पक्ष ने सरजू मरकाम को एक ठुकराए हुए प्रेमी के तौर पर पेश किया, जिसे उस महिला ने दूल्हे से शादी करने के लिए ठुकरा दिया था। 3 अप्रैल,

2023 को रेंगाखार के चमारी गांव में हुए धमाके में दूल्हे हेमेंद्र मेरावी और उसके भाई राजकुमार की मौत हो गई थी। इस धमाके में एक नाबालिग समेत पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे और घर की छत व दीवारें भी ढह गई थीं।

मध्य प्रदेश के मरकाम ने दिया था वारदात को अंजाम

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मध्य प्रदेश के रहने वाले मरकाम ने पहले मैकेनिक के तौर पर काम किया था और उसे एक ड्रिलिंग फर्म में विस्फोटक संभालने का अनुभव भी था। हेमेंद्र के साथ महिला की शादी से नाराज होकर मरकाम ने गनपाउडर, अमोनियम नाइट्रेट और पेट्रोल का इस्तेमाल करके एक विस्फोटक मिश्रण तैयार किया। उसने इस विस्फोटक को मध्य प्रदेश के बालाघाट की एक दुकान से खरीदे गए होम थिएटर सिस्टम में भर दिया। जब हेमेंद्र और उसके भाई ने होम थिएटर को पावर सॉकेट में लगाया तो उसमें धमाका हो गया। गवाहों के बयान, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज से पुष्टि हुई कि मरकाम ने तोहफे को पैक किया और मोटरसाइकिल से शादी की जगह पर लाया और फिर उसे आंगन में छोड़ दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मरकाम उस महिला से प्यार करता था जिसने बाद में 31 मार्च, 2023 को हेमेंद्र से शादी कर ली थी।

न्यूज विंडो

राजौरी में सड़क से फिसलकर खेत में गिरी कार, 6 लोग घायल

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुबह एक सड़क हादसे में छह लोग घायल हो गए। जिले के खवास इलाके में एक गाड़ी सड़क से फिसलकर खेतों में जा गिरी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को गाड़ी से निकाला गया और मौके पर पहुंची एम्बुलेंस के जरिए प्राथमिक उपचार दिया गया। जिसके बाद सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस टीम ने भी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

कुत्ते को बचाने के चक्कर में पलटी कार, तीन लोगों की मौत, 6 गंभीर

बदायूं। गंगा एक्सप्रेस-वे पर सुबह भीषण हादसा हो गया। करीब साढ़े तीन बजे कुत्ता सामने आने के कारण एक अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए।दुर्घटना कुंवरगांव थाना क्षेत्र में किमी संख्या- 175 पर दोपहर करीब तीन बजे हुई। पुलिस के मुताबिक अर्टिगा टैक्सी में चालक समेत नौ लोग सवार थे। सभी नेपाल के अलग-अलग स्थानों के रहने वाले थे और रुपैडिहा नेपाल से चंडीगढ़ जा रहे थे।

गोवा सरकार ने पत्रकार तेजपाल की उम्रकैद की मांग की, सुप्रीम कोर्ट का किया रुख

गोवा। गोवा सरकार ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल की सजा बढ़ाने की मांग की। इसे लेकर राज्य सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजपाल को उम्रकैद की सजा दी जानी चाहिए।

बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने 6 अगस्त को तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया था। कोर्ट ने

उन्हें 10 साल की जेल की सजा सुनाई थी। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था।

एनआरसी की मांग पर मणिपुर में सड़कें जाम

इंफाल। मणिपुर में जनगणना से पहले नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजंस (एनआरसी) लागू करने की मांग को लेकर एक छात्र संगठन की ओर से बुलाई गई 48 घंटे की राज्यव्यापी हड़ताल के दूसरे दिन बुधवार को घाटी के पांच जिलों में आम जनजीवन प्रभावित रहा। बाजार, शिक्षण संस्थान और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी ठप रहीं, हालांकि घाटी के कुछ इलाकों में निजी वाहन चलते नजर आए। हड़ताल का असर मुख्य रूप से घाटी के जिलों तक सीमित रहा, जबकि पहाड़ी जिलों में सामान्य गतिविधियां जारी रहीं।

इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों के अलग-अलग हिस्सों में हड़ताल समर्थकों ने बांस के खंभे और बड़े पत्थर रखकर सड़कें जाम कर दीं।घाटी के तीन अन्य जिलों—थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर—में भी हड़ताल का असर दिखाई दिया। यहां सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति कम रही, जबकि शिक्षण संस्थान बंद रहे।

'कैंपेन फॉर जस्ट एंड फ्री डिलिमिटेशन' की ओर से बुलाई गई इस राज्यव्यापी हड़ताल का पहाड़ी जिलों पर कोई खास असर नहीं पड़ा। चुराचांदपुर समेत पहाड़ी इलाकों में सामान्य गतिविधियां जारी रहीं। वहीं, मंगलवार को राज्य सरकार के प्रवक्ता और विधायक सपम रंजन सिंह ने कहा कि विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली जाकर केंद्रीय नेताओं से मुलाकात करेगा।

मेट्रो एंकर

अब कांग्रेस सीट के लिए होगा बड़ा मुकाबला

फ्लोरिडा में पिया डांडिया का दबदबा, डेमोक्रेटिक टिकट पर दर्ज की जीत

वाशिंगटन, एजेंसी

भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अर्ली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लारिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं।

डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं।

डांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी

भारत से अमेरिका जाकर बसे माता-पिता की बेटी डांडिया ने इससे पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन पार्टी के ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। हाई स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल डांडिया बाद में दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले में चली गईं। यह सीट चुनावी क्षेत्र के नए परिसीमन में बनाई गई थी और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं था। उनके चुनाव अभियान की वेबसाइट के अनुसार, डांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी हैं। उन्होंने हाई स्कूल प्रिंसिपल, नीति क्षेत्र की नेता और तकनीक के क्षेत्र में नई पहल करने वाली शख्सियत के तौर पर समुदायों को मजबूत बनाने के लिए अपना पूरा करियर समर्पित किया है। डांडिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की और हार्लेम में हाई स्कूल प्रिंसिपल रहीं। उन्होंने कम आय वाले छात्रों की जिंदगी की दिशा बदलने के मकसद से एक हाई स्कूल की स्थापना की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564